RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 30 डिग्री
न्यूनतम तापमान 20 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 29 डिग्री
न्यूनतम तापमान 19 डिग्री

सोमवार 13 अक्टूबर 2025
सूर्योदय प्रातः 06 :21 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 54 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 राग स्वदेशी : हकीकत और फ़साना

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 359 | गाजियाबाद, सोमवार 13 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

चुनाव आयोग ने शुरू की तैयारी

वोटर वेरिफिकेशन पूरे देश में चरणबद्ध तरीके से लागू होगा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

चुनाव आयोग देश में चरणबद्ध तरीके से मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम शुरू कर सकता है। आयोग के अधिकारियों ने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत उन राज्यों से हो सकती है, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

आयोग उन राज्यों में मतदाता सूची संशोधन अभियान नहीं चलाएगा जहां स्थानीय निकाय चुनाव होने हैं या हो रहे हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि चुनाव मशीनरी, निकाय चुनाव में व्यश्त है और इसके चलते वे एसआईआर पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएंगे। गौरतलब है कि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में साल 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं।

इन पांच राज्यों के अलावा पहले चरण में कुछ अन्य राज्यों में भी एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। बिहार में एसआईआर का काम पूरा हो गया है, जहां 30 सितंबर को लगभग 7.42 करोड़ नामों वाली अंतिम सूची प्रकाशित की गई थी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को कहा कि सभी राज्यों में मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण शुरू करने का काम चल रहा है और इसे शुरू करने पर अंतिम फैसला चुनाव आयोग द्वारा लिया जाएगा।

राज्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश

अधिकारियों के अनुसार, चुनाव आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने इस महीने की शुरुआत में एक सम्मेलन में राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) से अगले 10 से 15 दिनों में एसआईआर शुरू करने के लिए तैयार रहने को कहा था।

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने राज्यों की मतदाता सूचियों को अंतिम एसआईआर के बाद प्रकाशित रखें। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची है, जब राष्ट्रीय राजधानी में अंतिम बार गहन पुनरीक्षण हुआ था। उत्तराखंड में, अंतिम एसआईआर 2006 में हुआ था, और उस वर्ष की मतदाता सूची अब राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर है। अधिकांश राज्यों में मतदाता सूची की अंतिम एसआईआर 2002 और 2004 के बीच थी। एसआईआर का प्राथमिक उद्देश्य अवैध मतदाताओं के जन्म स्थान की जांच करके उन्हें मतदाता सूची से बाहर निकालना है।

ह्विसल ब्लोअर संजीव चतुर्वेदी के केस से 16 जजों ने पल्ला झाड़ा!

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

देश के शीर्ष न्यायालय, सुप्रीम कोर्ट में ह्विसल ब्लोअर अधिकारी संजीव चतुर्वेदी के मामले को लेकर एक अत्यंत असामान्य और चिंताजनक स्थिति उत्पन्न हो गई है।

उनके लंबित मामले की सुनवाई के लिए अब तक लगभग 16 अलग-अलग न्यायाधीशों ने खुद को सुनवाई से अलग कर लिया है। यह मामला दरअसल संजीव चतुर्वेदी के ख़िलाफ़ शुरू की गई उस विभागीय कार्रवाई से जुड़ा है, जिसे उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को उजागर करने के बाद शुरू किया गया बताया है। न्यायाधीशों द्वारा बार-बार सुनवाई से हटने की इस असाधारण घटना ने न्यायिक हलकों और नागरिक समाज में गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल उठ रहा है कि आख़िर इस मामले में ऐसी कौन सी संवेदनशीलता या प्रभाव है कि कोई भी पीठ इसकी सुनवाई को आगे बढ़ाने के लिए तैयार नहीं हो रही है। इस रिक्यूस (के सिलसिले के कारण यह महत्वपूर्ण मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबे समय से लंबित पड़ा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह न्याय मिलने में हो रही भारी देरी, न केवल ह्विसल ब्लोअर के अधिकारों के लिए, बल्कि भारत की न्यायिक प्रक्रिया की पारदर्शिता और क्षमता के लिए भी एक गंभीर चुनौती है।

मोदी एनडीए कार्यकर्ताओं से करेंगे संवाद, 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' अभियान के जरिए भरेंगे जोश

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अक्टूबर को शाम 6 बजे बिहार में एनडीए के कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। इसके साथ ही वह 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' अभियान के तहत कार्यकर्ताओं से जुड़ेंगे और बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए जीत का मंत्र भी देंगे। इसकी जानकारी पीएम मोदी ने खुद सोशल मीडिया के माध्यम से दी।

इसके साथ कार्यकर्ता अपने सुझाव पीएम मोदी के साथ नमो ऐप के जरिए साझा कर सकते हैं। सुझाव देने वाले कुछ कार्यकर्ताओं को पीएम मोदी से नमो ऐप के माध्यम से संवाद करने का सीधा मौका भी मिल सकता है।

पीएम मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "बिहार में भाजपा-एनडीए की विजय के लिए हमारे समर्पित कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा के साथ जुट चुके हैं। ऐसे कर्मठ कार्यकर्ताओं से संवाद हमेशा नई प्रेरणा देता है। 15 अक्टूबर को मुझे ऐसे ही कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद करने का अवसर मिलेगा।"

उन्होंने आगे लिखा, "मेरा आग्रह है, आप सभी 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' अभियान से जुड़ें और अपने सुझाव आज ही साझा करें। चुने गए कुछ

कार्यकर्ताओं से उनके सुझावों पर मैं सीधे उनके साथ चर्चा भी करूंगा।"

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। एनडीए और इंडी गठबंधन चुनाव में पूरी ताकत झोंक रहे हैं।

इसके साथ ही दोनों ही गठबंधन प्रदेश में अपनी-अपनी सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं। इसके अलावा वे जनता को लुभाने के लिए कई बड़े-बड़े वादे भी कर रहे हैं। हालांकि दोनों ही गठबंधन में सीट बंटवारों को लेकर घमासान मचा हुआ है।

उल्लेखनीय है कि बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर दो चरण में वोट डाले जाएंगे। पहले चरण के लिए 6 नवंबर को 121 सीटों पर मतदान होगा। वहीं दूसरे फेज में 122 सीटों पर 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। इसके साथ ही चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

IPS पूरन सुसाइड केस में एक्शन, DGP शत्रुजीत कपूर समेत 14 अधिकारियों पर केस दर्ज

✷ वेबवार्ता. चंडीगढ़ ✷। हरियाणा के सीनियर आईपीएस ऑफिसर वाई पूरन कुमार ने 7 अक्टूबर को सुसाइड कर लिया था। उन्होंने चंडीगढ़ के सेक्टर 11, कोठी नंबर 116 स्थित अपने सरकारी आवास पर ख़ुद को गोली मार ली थी। वाई पूरन कुमार ADGP रैंक के अधिकारी थे। जांच के बाद पुलिस ने आईपीएस वाई पूरन कुमार आत्महत्या मामले में डीजीपी शत्रुजीत कपूर समेत 14 अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई आत्महत्या के लिए उकसाने और एससी/एसटी एक्ट के तहत हुई है। पीड़ित परिवार के दबाव और मुख्यमंत्री की सक्रियता के बाद यह कदम उठाया गया है: - 1. शत्रुजीत कपूर, डीजीपी हरियाणा, 2. अमिताभढिल्लों, एडीजीपी, 3. संजय कुमार, एडीजीपी, 1997 बैच, 4. पंकज नैन, आईजीपी 2007 बैच, 5. कला रामचंद्रन, आईपीएस, 1994 बैच, 6. संदीप खिरवार, आईपीएस 1995 बैच, 7. सिबाश कविराज, आईपीएस 1999 बैच, 8. मनोज यादव, पूर्व डीजीपी, आईपीएस 1988 बैच, 9. पीकेअग्रवाल, पूर्व डीजीपी, आईपीएस 1988 बैच, 10. टीवीएसएन प्रसाद, आईएएस 1988 बैच, 11. नरेंद्र बिजारणिया, एसपी रोहतक, 12. राजीव अरोड़ा, पूर्व एसीएस, 13. कुलविंदर सिंह, आईजी मधुवन, 14. माटा रवि किरन, एडीजीपी, करनाल रेंज, हरियाणा में यह पहला मामला है जब सरकार चलाने वाले टॉप अधिकारियों पर एक साथ इतनी बड़ी कार्रवाई की गई है। घटना के बाद पुलिस विभाग में भय व्याप्त है। चर्चा है कि जब बड़े अधिकारियों के उत्पीड़न से एक IPS ऑफिसर ने आत्महत्या कर ली तो नीचे के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का क्या हाल होगा।

सरकार ने 'सूचना के अधिकार' कानून को किया कमजोर : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस ने कहा है कि 20 साल पहले इसी दिन डॉ मनमोहन सिंह की सरकार ने शासन में पारदर्शिता लाने के लिए 'सूचना का अधिकार' (आरटीआई) कानून लागू किया,लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने इसे कमजोर करने का काम किया है। पार्टी ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार ने सचाई छिपाने और अपनी कमजोरी जनता के सामने नहीं आने देने के लिए 'सूचना का अधिकार' कानून को सोची समझी रणनीति के तहत कमजोर किया। पार्टी ने कहा कि मोदी सरकार ने इस काम के लिए कानून में संशोधन तक कर डाला। दरअसल उनको डर था कि जनता से किए वादों की पोल खुल न जाए इसलिए सरकार ने कानून ही बदल दिया। कांग्रेस संचार विभाग प्रभारी जयराम रमेश ने रविवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आरटीआई का मकसद था कि शासन-प्रशासन को जो जानकारी है वह जनता को भी मिले, लेकिन मोदी सरकार इस कानून को खत्म करने में लगी है।

डेयरी सेक्टर को मिली सौगात, 947 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का हुआ उद्घाटन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारत के पशुधन और डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 947 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया गया और 219 करोड़ रुपए मूल्य के अतिरिक्त प्रोजेक्ट्स की आधारशिला रखी गई। यह बयान रविवार को सरकार द्वारा जारी किया गया। यह प्रोजेक्ट्स कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्र में निवेश के एक बड़े पैकेज का हिस्सा हैं, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लॉन्च किया। इन प्रोजेक्ट्स को दो प्रमुख कृषि योजनाओं- प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना (पीएम-डीडीकेवाई) और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के शुभारंभ के साथ ही राष्ट्र को समर्पित किया गया। यह शुरुआत ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने और कृषि-संबद्ध क्षेत्रों में भारत के आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

स्मार्ट मीटर बना "जी" का जंजाल, बिलिंग और पारदर्शिता पर उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ी

जगह-जगह हो रहा मीटर लगाने का विरोध

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

देशभर के कई राज्यों में स्मार्ट मीटर लगाने का काम बड़े पैमाने पर हो रहा है। इसके चलते बिजली उपभोक्ताओं में भारी चिंता और विरोध भी बढ़ गया है। विशेषज्ञ और उपभोक्ता संगठन कह रहे हैं कि स्मार्ट मीटर के कारण बिलिंग और पारदर्शिता का नियंत्रण निजी कंपनियों के हाथ में चला गया है। जहां स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं वहां के अधिकांश उपभोक्ताओं को अनजाने में कम बिजली खपत के बावजूद अधिक शुल्क देना पड़ रहा है।

विभिन्न राज्यों की मीडिया रिपोर्टों और उपभोक्ता शिकायतों के अनुसार, स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद कई जगहों पर बिल असामान्य रूप से बढ़ने के मामले सामने आए हैं। नैनीताल में कुछ उपयोगकर्ताओं को हजारों रुपये की बजाय लाखों रुपये के बिल थमाए जा रहे हैं। पुणे, नोएडा और मध्य प्रदेश के भोपाल सहित अन्य शहरों में भी सैकड़ों उपभोक्ताओं ने अचानक बढ़े बिलों पर विरोध जताया है। मुंबई में जबरदश्त विरोध के चलते कई क्षेत्रों में मीटर बदलने का काम रोकना पड़ गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि पारंपरिक मैकेनिकल मीटर में उपभोक्ता खुद बिजली की रीडिंग और बिलिंग की जांच कर सकते थे और गड़बड़ी होने पर शिकायत दर्ज कराकर सुधार करवा सकते थे। लेकिन स्मार्ट मीटर की रियल-टाइम कनेक्टिविटी और सर्वर-आधारित बिलिंग के कारण उपभोक्ताओं के लिए जांच करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। उपभोक्ता अब यह तय नहीं कर सकते कि बिल गलत है या सही, और स्मार्ट मीटर की रीडिंग, डेटा और बिलिंग लॉजिक का कोई स्वतंत्र ऑडिट नहीं है। ऊर्जा नीति विशेषज्ञों का कहना है कि स्मार्ट मीटर में ऑडिट और रेगुलेशन का कोई स्पष्ट नियम नहीं है।

वर्तमान में निजी कंपनियों के लिए जो नियम

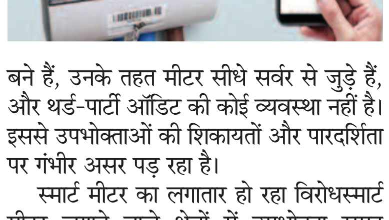

बने हैं, उनके तहत मीटर सीधे सर्वर से जुड़े हैं, और थर्ड-पार्टी ऑडिट की कोई व्यवस्था नहीं है। इससे उपभोक्ताओं की शिकायतों और पारदर्शिता पर गंभीर असर पड़ रहा है।

स्मार्ट मीटर का लगातार हो रहा विरोधस्मार्ट मीटर लगाने वाले क्षेत्रों में उपभोक्ता समूह लगातार विरोध कर रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि सॉफ़्टवेयर, डेटा-हैंडलिंग और बिल निर्माण प्रक्रिया का स्वतंत्र, मानकीकृत ऑडिट तंत्र और कानूनी मॉनिटरिंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके बिना स्मार्ट मीटर लगाना जोखिम भरा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बिजली बाजार में निजी कंपनियों की भागीदारी से टैरिफ और सेवा मॉडल में अराजकता बढ़ सकती है। "डायनेमिक प्राइसिंग" के कारण मांग बढ़ने पर कीमतें बढ़ सकती हैं, और उपभोक्ता को इसकी जानकारी पहले नहीं मिलेगी। इससे विशेष रूप से कम और मध्यम आय वाले वर्ग प्रभावित होंगे।

सरकार का कहना होगा सुधार

सरकार का कहना है कि निजी भागीदारी से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और विद्युत क्षेत्र में सुधार आएगा, लेकिन आलोचक कहते हैं कि जब तक मजबूत नियामक, उपभोक्ता संरक्षण और स्वतंत्र ऑडिट तंत्र नहीं होगा, तब तक स्मार्ट मीटर प्रक्रिया उपभोक्ताओं के लिए जोखिम भरी होगी। उपभोक्ता अधिवक्ताओं और नागरिक संगठनों ने सरकार से मांग की है कि बिजली वितरण, बिलिंग, डेटा सुरक्षा और उपभोक्ता शिकायत निवारण तंत्र को सुनिश्चित किए बिना स्मार्ट मीटर लगाने का काम बंद किया जाए।

तालिबानी विदेश मंत्री की भारत यात्रा को लेकर ओवैसी ने कहा, काबुल से पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित करने चाहिए

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी की भारत यात्रा के बीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने तालिबान को लेकर बड़ा बयान दिया है।

ओवैसी ने कहा, कि भारत को तालिबान सरकार के साथ सिर्फ बातचीत तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित करने चाहिए, ताकि देश के सुरक्षा और रणनीतिक हित सुरक्षित रह सकें।

सांसद ओवैसी ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, कि उन्होंने 2016 में संसद में अपने भाषण के दौरान ही यह भविष्यवाणी की थी कि अफगानिस्तान में एक दिन फिर से तालिबान की वापसी होगी। ओवैसी के अनुसार, उन्होंने उस समय ही भारत सरकार को तालिबान से संवाद शुरू करने की सलाह दी थी, लेकिन तब भाजपा नेताओं ने उनकी बात का विरोध किया था। सांसद ओवैसी ने कहा, मैंने 2016 में संसद में कहा था कि तालिबानी आएंगे, उनसे बात करो। आज उनके विदेश मंत्री भारत में हैं और पाकिस्तान की वायुसेना वहां बमबारी कर रही है।

यह समय भारत के लिए अपनी नीति पर पुनर्विचार करने का है। हमें अफगानिस्तान के साथ पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित करने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की अफगानिस्तान में मौजूदगी उसके भू-राजनीतिक और सुरक्षा हितों के लिए अत्यंत आवश्यक है। सांसद ओवैसी ने इसी बीच ईरान के चाबहार बंदरगाह के महत्व पर भी जोर देते हुए कहा, कि भारत इस बंदरगाह के माध्यम से अफगानिस्तान तक व्यापारिक और रणनीतिक मार्ग मजबूत कर सकता है। इससे न केवल चीन और पाकिस्तान के प्रभाव को संतुलित किया जा सकेगा।

संवैधानिक सुरक्षा उपायों ने सम्मान और समान अवसर सुनिश्चित किए : बीआर गवई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि न्याय का सच्चा अर्थ, सबसे कमजोर व्यक्ति की रक्षा में है। कानून का शासन निष्पक्षता, गरिमा और समानता के साधन के रूप में कार्य करना चाहिए।

अपना उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनका जीवन समानता की परिवर्तनकारी ताकत को दिखाता है। हाशिए पर पड़े समुदाय में जन्म लेने के बाद कैसे संवैधानिक सुरक्षा उपायों ने न केवल सुरक्षा बल्कि सम्मान, अवसर और मान्यता सुनिश्चित किए।

वियतनाम के हनोई में शनिवार को आयोजित ''ला एशिया'' सम्मेलन में "विविधता और समावेशन को बढ़ावा देने में वकीलों और अदालतों की भूमिका" विषयक सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने न्यायिक व्यवस्था में विविधता और समावेश को बढ़ावा देने के लिए कड़े प्रयास का आह्वान किया।

बार एंड बेंच में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि मेरे लिए, एक निम्न-जाति के परिवार में जन्मे होने का मतलब था कि मैं अछूत पैदा नहीं हुआ था। संविधान ने मेरी गरिमा को किसी भी दूसरे नागरिक के समान मानते हुए न केवल सुरक्षा बल्कि सम्मान, अवसर और मान्यता भी सुनिश्चित की है।

सीजेआई ने अपने जीवन पर गौतम बुद्ध, महात्मा गांधी, बीआर अंबेडकर और अपने पिता आरएस गवई के प्रभावों को याद करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर ने दिखाया कि कानून को पदानुक्रम के साधन से समानता के माध्यम में परिवर्तित किया जाना चाहिए। उनके पिता ने उनमें न्याय और करुणा के मूल्यों का संचार किया। उन्होंने कहा कि जब कानून गरिमा की रक्षा करता है तो यह किसी व्यक्ति के जीवन की दिशा बदल सकता है। उनके लिए विविधता और समावेशन का विचार अमूर्त स्वप्नलोक नहीं बल्कि यह लाखों नागरिकों की आकांक्षा है।

ब्राजील पहुंचे केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, कॉप30 में भारत का करेंगे प्रतिनिधित्व

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। केंद्रीय वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव रविवार को ब्राजील दौरे पर पहुंचे हैं। ब्राजील में वह संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने अपने ब्राजील दौरे की जानकारी देते हुए लिखा, "आज ब्रासीलिया, ब्राजील पहुंच गया हूं, जहां मैं कॉप30 प्रेसीडेंसी द्वारा आयोजित प्री कॉप30 सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करूंगा।"

कार्तिक, अभिषेक को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, आलिया भट्ट को मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर अवॉर्ड

✷ वेबवार्ता. अहमदाबाद ✷

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन और अभिषेक बच्चन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और आलिया भट्ट को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

शनिवार की रात 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड का आयोजन अहमदाबाद में हुआ। इस अवॉर्ड को शाहरुख खान, करण जौहर और मनीष पॉल ने मिलकर होस्ट किया। फिल्मफेयर अवॉर्ड इवेंट में सबसे ज्यादा जलवा 'लापता लेडीज' का रहा। फिल्म ने कई अवॉर्ड अपने नाम किए। कार्तिक आर्यन और अभिषेक बच्चन को संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार दिया गया है।फिल्म चंदू चैंपियन के लिए कार्तिक आर्यन और 'आई वॉन्ट टू टॉक' के लिए अभिषेक बच्चन को यह अवॉर्ड मिला।आलिया भट्ट को फिल्म 'जिगरा' के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्फेयर अवार्ड दिया गया। सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का क्रिटिक्स अवाड्र्स राजकुमार राव को फिल्म श्रीकांत जबकि सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का क्रिटिक्स अवार्ड प्रतिभा रांटा को फिल्म लापता लेडीज के लिये दिया गया।

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार रवि किशन को फिल्म लापता लेडीज के लिये दिया गया। इसी फिल्म के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरसकर छाया कदम को मिला। सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार लापता लेडीज को मिला। इसी फिल्म के लिये किरण राव को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार दिया गया।सर्वश्रेष्ठ फिल्म सर्वश्रेष्ठ फिल्म (क्रिटिक्स') का पुरस्कार आई वांट टू टॉक के लिये शूजीत सरकार को मिला।

सर्वश्रेष्ठ डेब्यू अभिनेता का पुरस्कार लक्ष्य को फिल्म किल के लिये दिया गया। वहीं सर्वश्रेष्ठ डेब्यू महिला अभिनेत्री का पुरस्कार नितंशी गोयल को फिल्म लापता लेडीज के लिये दिया गया।

पत्नी के साथ जा रहे युवक की गोली मारकर हत्या

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। थाना गौण्डा क्षेत्र के गांव रफायतपुर में घायल अवस्था में मिले युवक की मौत हो गई है। पुलिस को सूचना मिली कि रफायतपुर ग्राम से सूचना प्राप्त हुई कि यहां एक रिंकू नाम का व्यक्ति घायल अवस्था में मिला है। जबकि इसी सूचना पर स्थानीय पुलिस द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए घायल व्यक्ति को मैडिकल कॉलेज उपचार के लिए भेजा जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। सूचना पर घटनास्थल का निरीक्षण एसएसपी व अन्य अधिकारियों द्वारा किया गया। इतना ही नहीं फील्ड यूनिट को मौके पर बुलाकर साक्ष्यों का संकलन भी किया गया और इस सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है। 30 वर्षीय रिंकू पुत्र हरप्रसाद निवासी गांव कलुआ राज मिस्त्री का कार्य करता था, शनिवार की देर शाम वह बाइक पर अपनी पत्नी ब्रजेश को दवा दिलाने गांव मुरवार में एक चिकित्सक के यहां लेकर गए थे। पत्नी का उपचार कराने के बाद पत्नी व छोटी बेटी को साथ लेकर बाइक से लौट रहे थे। राश्ते में उन्होंने सब्जी खरीदी। पुलिस के अनुसार गांव रफायतपुर मोड़ पर पीछे से एक बाइक सवार युवक आया और उसने रिंकू के पास आकर गोली मार दी। गोली लगते ही रिंकू बाइक और पत्नी व बेटी सहित गिर पड़े। गंभीर रूप से घायल रिंकू को पुलिस ने मेडिकल कॉलेज भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर एसएसपी नीरज जादौन और एसपी देहात भी मेडिकल कॉलेज पहुंच गए और परिजनों से बात की। एसपी देहात के अनुसार हमलावर मुंह पर कपड़ा बांधे हुए था। गोली की आवाज और घायल रिंकू व उसकी पत्नी के शोर मचाने पर रफायतपुर के कुछ लोग घटना स्थल की ओर दौड़ पड़े।

हिस्ट्रीशीटर की गिरफ्तारी में बाधा डालने पर मुकदमा दर्ज

✷ **एनसीआर टुडे. कोतवाली देहात** ✷। उपनिरीक्षक जुगेंद्र तेवतिया अपनी पुलिस टीम के साथ हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त आसिफ पुत्र रशीद निवासी ग्राम अकबराबाद के घर पहुंचे थे। टीम न्यायालय द्वारा जारी सम्मन तामील कराने गई थी। इस दौरान अभियुक्त आसिफ के साथ मौजूद नजाकत पुत्र शमीम, मौ. अकरम उर्फ राहुल पुत्र कालू उर्फ काले तथा एक अज्ञात महिला ने पुलिस टीम के साथ अभद्रता की। सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए अभियुक्त आसिफ को छत के राश्ते भगाने का प्रयास किया। हालांकि पुलिस की सतर्कता के चलते आसिफ को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया,। जबकि अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि फरार अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। इस प्रकरण में थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा मु.अ.सं. 215/2025 धारा 21/224/ 132/ 121(2)/ 121(1)/ 352/351(3)/ 118(1)/109(1) बी.एन.एस. में मुकदमा दर्ज किया गया है।

झालू में यूपीएससी परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

✷ **एनसीआर टुडे. झालू** ✷। रविवार को आयोजित यूपीएससी परीक्षा जिले के दो केंद्रों- हृदय नन्द सार्वजनिक- इंटर कॉलेज एवं राजकीय बालिका इंटर कॉलेज - पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान केंद्रों पर पुलिस बल तैनात रहा और परीक्षार्थियों की सघन जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की सूचना प्राप्त नहीं हुई।

लाखों रूपये की अवैध विस्फोटक सामिग्री पकड़ी

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। थाना टप्पल पुलिस टीम ने अवैध रुप से भण्डारण किये गये विस्फोटक (पटाखे) बजन करीब 14 कुन्तल, अनुमानित कीमत करीब दस लाख रुपये बरामद किये हैं। पुलिस के अनुसार जेवर रोड निकट तुलसी पैलेस ग्राम हामिदपुर मार्ग थाना टप्पल जिला अलीगढ़ पर दुकान के अंदर आतिशबाजी (पटाखे) का अनाधिकृत रूप से स्टॉक कर बिक्री कर रहे है, इस सूचना पर मौके पर जाकर दुकान में रखी गत्ते की पेटियों को चैक किया तो सभी में अवैध रूप से पटाखे भरे थे, मौके पर 14 कुन्तल अवैध पटाखों को बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब दस लाख रुपये है। थाना पुलिस टीम द्वारा उक्त सूचना पर मौके पर पहुँचकर अवैध रुप से घनी आबादी क्षेत्र में उक्त दुकान को चेक किया गया तो दुकान में भण्डारित करीब 14 कुन्तल अवैध आतिशबाजी (पटाखे) बरामद किये गये, जिनकी अनुमानित कीमत करीब दस लाख रुपये है।

दोषी चाहे जो हो, बख्शेंगे नहीं

आईपीएस पूरन सुसाइड केस में पहली बार बोले सीएम नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, एजेंसी।
हरियाणा के सीनियर आईपीएस अफसर वाई पूरन कुमार सुसाइड केस में पहली बार मुख्यमंत्री नायब सैनी का बयान आया है। आज पंचकूला में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार इस मामले की पूरी जांच कराएगी। दोषी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, बख्शा नहीं जाएगा। अगर किसी व्यक्ति को कोई तंग करेगा तो सरकार उसे नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार इस मामले की पूरी जांच कराएगी। विपक्ष को ऐसे मुद्दे पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। परिवार के साथ अन्याय हुआ है तो न्याय देने का काम हमारी सरकार करेगी।

वहीं, शुक्रवार रात को सीएम हाउस में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार, चीफ सेक्रेटरी

अनुराग रस्तोगी, होम सेक्रेटरी डॉ. सुमिता मिश्रा और आईएएस अफसर राज शेखर वुंडरू से मीटिंग की थी। सूत्रों के मुताबिक हरियाणा सरकार डीजीपी शत्रुजीत कपूर को हटा सकती है। इस मामले में रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारणिया को हटा दिया गया। उनकी जगह सुरेंद्र सिंह भौरिया को एसपी बनाया गया है।

वाई पूरन कुमार का पोस्टमॉर्टम आज भी नहीं हो पाया। डॉक्टर्स, फोरेंसिक एक्सपर्ट्स और वीडियोग्राफी टीम चंडीगढ़ पीजीआई की मॉर्च्युरी में पहुंची, लेकिन परिवार का कोई सदस्य नहीं आया। चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप कौर का कहना है कि परिवार की सहमति के बाद ही पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। उनका इंतजार किया जा रहा है। वहीं, पूरन कुमार के परिवार और अनुसूचित समाज ने 31 सदस्यीय कमेटी बनाई है। कमेटी का कहना है कि जब तक हरियाणा के डीजीपी कपूर और एसपी नरेंद्र बिजारणिया अरेस्ट नहीं हो जाते, तब तक परिवार पोस्टमॉर्टम नहीं कराएगा। कल दोपहर 2 बजे चंडीगढ़ के सेक्टर-20 स्थित गुरु रविदास गुरुद्वारे में महापंचायत होगी।

शनिवार सुबह डेडबॉडी चंडीगढ़ के सेक्टर-16 गवर्नमेंट अस्पताल से पीजीआई शिफ्ट की गई थी। परिवार ने आरोप लगाया था कि उनकी मर्जी के खिलाफ डेडबॉडी जबरदस्ती पीजीआई ले गए। चंडीगढ़ के डीजीपी सागर प्रीत हुड्डा और आईजी पुष्पेंद्र कुमार सेक्टर 24 स्थित अमनीत पी कुमार के सरकारी आवास पर आए और करीब 45 मिनट बात की। डीजीपी सागर प्रीत हुड्डा ने कहा कि हमने परिवार के सदस्यों से बात की और उनसे जल्द से जल्द पोस्टमार्टम करवाने का अनुरोध किया। उनकी कुछ शिकायतें हैं और हम उन पर काम कर रहे हैं। जांच चल रही है। एसआईटी का गठन किया गया है और आईजी इसका नेतृत्व कर रहे हैं। परिवार की सहमति के बाद ही पोस्टमार्टम होगा। डॉक्टरों का पैनल बनाकर पोस्टमार्टम किया जाएगा।

रकम डबल होने की लालच ने ली जान, साइबर ठगों के शिकार एमबीए छात्र ने लगाई फांसी

पलवल, एजेंसी। पलवल में साइबर ठगों का शिकार हुए एक एमबीए छात्र ने फंदा लगाकर जान दे दी। गदपुरी थाना पुलिस ने मृतक के चचेरे भाई की शिकायत पर अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। बताया जाता है कि साइबर ठगों ने पीड़ित युवक से करीब साढ़े तीन लाख रुपये ठग लिए थे। इससे वह तनावग्रस्त था। पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। गदपुरी थाना प्रभारी अश्वनी कुमार के अनुसार, जटौला गांव निवासी प्रमोद ने शिकायत में बताया कि उनके चाचा का 21 साल का बेटा सर्वेश आरओ प्लांट चलाता था और पलवल के एक निजी कॉलेज से एमबीए के पहले साल की पढ़ाई कर रहा था। सर्वेश वॉट्सऐप और टेलीग्राम का उपयोग करता था। साइबर ठगों ने वॉट्सऐप के जरिए सर्वेश से संपर्क किया और उसे एक कंपनी में पैसे दोगुना करने का लालच दिया था। शुरुआत में सर्वेश ने थोड़ी रकम लगाई, जिसे बढ़ाकर उसे वापस कर दिया गया। इससे सर्वेश ठगों के झांसे में आ गया।

दुनिया का सबसे बड़ा गुंडा है नेतन्याहू, इजरायली पीएम पर भड़के ओवैसी, बोले- अल्लाह देख लेगा

हैदराबाद, एजेंसी।
दुनिया का सबसे बड़ा गुंडा है नेतन्याहू, इजरायली पीएम पर भड़के ओवैसी, बोले- अल्लाह देख लेगा

हैदराबाद से सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर शनिवार को जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने इजरायली पीएम को दुनिया का सबसे बड़ा गुंडा करार देते हुए कहा कि उन्हें अल्लाह देख लेगा। ओवैसी ने पीएम मोदी द्वारा इजरायल-गाजा शांति समझौते पर किए गए पोस्ट का जिक्र करते हुए नेतन्याहू पर निशाना साधा।

ओवैसी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, आज पीएम मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी और नेतन्याहू की लीडरशिप की तारीफ की। नेतन्याहू दुनिया का सबसे बड़ा गुंडा है, जिसने 65 हजार लोगों को मार दिया, 20 हजार बच्चे हैं। 12 लाख लोग बेघर हो गए और पीएम उसकी लीडरशिप की तारीफ कर रहे हैं। आखिर क्यों उसकी तारीफ कर रहे हैं? आप तो भारत के प्रधानमंत्री हैं। हम इस बात की निंदा करते हैं जो पीएम मोदी ने नेतन्याहू की लीडरशिप

की तारीफ की। अल्लाह देख लेगा नेतन्याहू को इंशाअल्लाह।

एआईएमआईएम प्रमुख ने आगे कहा, पीएम उसकी तारीफ कर रहे हैं, कहीं न कहीं ऊपर जाकर कोई तार मिलता है। ऐसे आदमी (नेतन्याहू) के खिलाफ इंटरनेशनल कोर्ट ने वॉरंट जारी किया। हिंदुत्व के लोग बोलेंगे ओवैसी क्या बोल रहा। अरे सुनो, कुलभूषण जो पाकिस्तान की जेल गए, उसे सजा-ए-मौत देना चाहते थे तो भारत इंटरनेशनल कोर्ट गया और उसकी सजा रुकवाई। ओवैसी ने पीएम मोदी के जिस पोस्ट का जिक्र किया, उसमें प्रधानमंत्री ने लिखा था कि राष्ट्रपति ट्रंप की गाजा शांति योजना के तहत हुई प्रगति पर बधाई देने के लिए अपने मित्र, प्रधानमंत्री नेतन्याहू को फोन किया।

ड्रोन उड़ाते ही रडार पर आ जाएंगे आप, पोर्टल पर होगा हर खरीदार का डाटा; योगी सरकार का आदेश

गोरखपुर, एजेंसी।
बिना अनुमति ड्रोन उड़ाना अब आसान नहीं होगा। उड़ाते ही रडार पर आ जाएंगे। सुरक्षा के लिहाज से योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत ड्रोन खरीदने से लेकर इस्तेमाल करने वाले तक की पूरी जानकारी अब विक्रेता को पोर्टल पर देनी होगी। पायलट प्रोजेक्ट के तहत गोरखपुर समेत अयोध्या, मथुरा आदि पुलिस कमिश्नरी वाले दस जिलों में यह व्यवस्था लागू हो गई है। बाद में इसे पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा।

प्रदेश की 'ड्रोन संचालन सुरक्षा नीति-2023' के तहत विकसित ऑनलाइन पोर्टल यूनिफाइड ड्रोन एप्लीकेशन एंड ऑथराइजेशन नेटवर्क (यूपी उड़ान) अब औपचारिक रूप से गो लाइव हो गया है। यह पोर्टल पर उपलब्ध। फिलहाल संचालन सहायता अवधि के अंतर्गत 4 अगस्त 2026 तक कार्य करेगा। इसके जरिये ड्रोन संचालन, अनुमति, बिक्री और निगरानी से जुड़ी सारी प्रक्रिया अब एक ही मंच पर ऑनलाइन दर्ज और नियंत्रित होगी। बिना पंजीकरण ड्रोन उड़ाने पर रोक

लगा दी गई है। सुरक्षा मुख्यालय लखनऊ ने प्रदेश के पुलिस कमिश्नरी वाले जिलों के पुलिस आयुक्तों और गोरखपुर, अयोध्या व मथुरा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने जिलों में ड्रोन संचालकों और विक्रेताओं का पंजीकरण अभियान चलाएं और की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मुख्यालय को भेजें। हर जिले में 'ड्रोन रजिस्टर' रखा जाए और सभी ड्रोन की जानकारी 'यूपी उड़ान' पोर्टल पर दर्ज की जाए। अधिकारियों का कहना है कि यह प्रणाली न केवल सुरक्षा और निगरानी को मजबूत करेगी, बल्कि सर्वेक्षण, ट्रैफिक मॉनिटरिंग और आपदा राहत कार्यों में भी अहम भूमिका निभाएगी।

ड्रग तस्करी के खिलाफ बीएसएफ का हल्लाबोल, पंजाब में हर दूसरे दिन एक तस्कर की गिरफ्तारी

चंगीगढ़, एजेंसी।
पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा पर नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी है। सीमा सुरक्षा बल ने जनवरी 2024 से अब तक लगभग 350 तस्करों को पकड़ा है, यानी औसतन हर दूसरे दिन एक तस्कर गिरफ्तार किया गया। बीएसएफ की टीम 553 किलोमीटर लंबी सीमा पर नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी को नाकाम करने में जुटी है। इस प्रयास में ज्यादातर गिरफ्तारियां अमृतसर, तरन तारन और फिरोजपुर जिलों में हुई, जो ड्रोन के जरिए होने वाली तस्करी के लिए जोखिम वाले क्षेत्र माने जाते हैं।

केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2021 में बीएसएफ के ऑपरेशनल जोन को 15 किलोमीटर से बढ़ाकर 50

किलोमीटर कर दिया था, जिससे बड़े इलाके में तलाशी, जब्ती और गिरफ्तारी का अधिकार मिला। हालांकि, बीएसएफ अधिकारियों का कहना है कि अधिकांश गिरफ्तारियां मूल 15 किलोमीटर के दायरे में ही हुईं। क्क्स्न के प्रवक्ता डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल एके विद्यार्थी ने बताया, पाकिस्तानी तस्कर ड्रोन और जीपीएस-आधारित डिलीवरी का उपयोग कर पकड़े जाने से बचने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हमारी सतर्कता से तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त करने में मदद मिल रही है। साल 2024 में बीएसएफ ने 161 तस्करों को गिरफ्तार किया। इस साल 30 सितंबर तक 186 और तस्कर पकड़े गए हैं। इनमें 16 पाकिस्तानी घुसपैठिए, चार नेपाली और तीन बांग्लादेशी शामिल हैं। इस दौरान 3 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया गया। सीनियर क्क्स्न अधिकारी ने बताया, पाकिस्तानी तस्कर भारतीय तस्करों को नाबालिगों को कूरियर के रूप में भर्ती करने के लिए कह रहे हैं, ताकि कानूनी छूट का फायदा उठाया जा सके। वे ऐसे नए चेहरों को चुनते हैं जिनका कोई पिछला तस्करी रिकॉर्ड न हो। तस्करी की इस बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए बीएसएफ ने जमीनी और हवाई निगरानी को तेज कर दिया है। रात में देखने वाले उपकरण, मोशन सेंसर और ड्रोन-रोधी सिस्टम तैनात किए।

जंगली सुअर का मांस खाने की अनुमति दी जाए, इस राज्य के मंत्री की केंद्र से मांग

तिरुवंतपुरम, एजेंसी।
केरल सरकार के कृषि मंत्री पी.प्रसाद ने जंगली सुअर का मांस खाने की अनुमति दी जाने की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि अगर इसकी अनुमति दी जाती है तो इन जानवरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है वह बहुत कम हो जाएगा, इसके बाद फिर इनसे और भी बेहतर तरीके से निपटा जा सकता है। प्रसाद ने कहा कि जंगली सुअर कोई लुप्तप्राय जाति नहीं है इसलिए इसका मांस खाने की अनुमति देने में कोई बाधा नहीं है।

प्रसाद ने अलप्पुझा जिले की पालामेल ग्राम पंचायत द्वारा एक कार्यक्रम में स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि ऐसा हो लेकिन केंद्रीय कानून इसकी अनुमति नहीं देता है। उन्होंने दावा किया, मेरी राय में, लोगों को खेतों में मारे गए जंगली सूअरों का मांस खाने की अनुमति दी जानी चाहिए। अगर लोगों को जंगली सूअरों को मारने और उनका मांस खाने की अनुमति दी जाए, तो इस मुद्दे का समाधान बहुत तेजी से हो सकता है। लेकिन मौजूदा कानून इसकी अनुमति नहीं देता है। गौरतलब है कि प्रसाद की यह टिप्पणी केरल विधानसभा द्वारा वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 में संशोधन के लिए एक विधेयक पारित किए जाने के कुछ दिनों बाद आई है। इस विधेयक का उद्देश्य राज्य में मानव-पशु संघर्ष की बढ़ती घटनाओं को कम करना है। आपको बता दें भारत में जंगली सुअर को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत सूची तीन में रखा गया है। इसका मतलब है कि यह एक प्रोटेक्टेड स्पीसीज है। इस वजह से इसका बिना अनुमति शिकार करना, मारना या उसका मांस रखना अवैध है। ऐसा करने पर तीन साल तक की जेल, 25 हजार का जुर्माना या दोनों हो

सकते हैं। हालांकि यह मामला सभी जगह एक जैसा नहीं है। कई राज्यों, जैसे की केरल, बिहार, उत्तराखंड ने इसे हानिकारक जीव की श्रेणी में रखा है। इन राज्यों के स्थानीय प्रशासन और वन विभाग की अनुमति के साथ इसे मारना कानूनी है। हालांकि इसके बाद भी इसका मांस बेचना या रखना कानूनी नहीं होता। जंगली सुअर को लेकर कई तरह की भ्रांतियां और कानूनी डर फैला रहता है। इसलिए भी लोग इसका मांस खाने से बचते नजर आते हैं।

झगड़े के बाद पति ट्रेन के आगे कूदा, पत्नी ने भी दी जान; 3 महीने की बच्ची अनाथ

फिरोजाबाद , एजेंसी।
यूपी के फिरोजाबाद में मटसेना थाना क्षेत्र में करवाचौथ की अगली सुबह शनिवार को पति ने घर से डेढ किमी दूर रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर जान दे दी। उधर, पति की मौत की सूचना पाकर पत्नी ने भी घर में आत्महत्या कर ली। हालांकि महिला के मायके वालों का आरोप है कि महिला की हत्या की गई है। परिजनों ने बताया कि महिला ने सोलह श्रृंगार कर पति के लिए व्रत रखा था। पूजन किया, लेकिन देर रात पति-पत्नी में झगड़ा हो गया था।

थाना मटसेना के दबरई निवासी प्रमोद कुमार (28) पुत्र नेत्रपाल का उसकी पत्नी निशा (26) से शुक्रवार को करवाचौथ की रात किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद ज्यादा बढ़ने पर पति शनिवार सुबह घर से निकल गया। सुबह करीब 9 बजे उसने गांव से डेढ़ किमी दूर दौकेली से गुजर रही ट्रेन से कटकर जान दे दी।

करीब एक घंटे के बाद प्रमोद की पहचान हो सकी। उधर, पति की मौत की सूचना जब सुबह करीब 11 बजे निशा को मिली तो उसने भी जान दे दी। परिवार वालों ने बताया कि प्रमोद की दो साल पहले जसराना के मुस्तफाबाद के बहत निवासी निशा से शादी हुई थी। निशा ने तीन महीने पहले बच्ची को जन्म दिया था। पति से अनबन पर निशा एक महीने पहले मायके चली गई थी। वह करवाचौथ वाले दिन ही ससुराल आई थी। प्रमोद कांच फैक्ट्री में काम करता था। परिवार आर्थिक तंगी से भी गुजर रहा था। सीओ सदर चंचल त्यागी ने बताया कि पति और पत्नी के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। निशा के मायकेजनों ने जहर देकर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करेगी।

मटसेना क्षेत्र में करवाचौथ पर पति पत्नी के विवाद के बाद पति द्वारा ट्रेन के आगे कूदकर जान देने और पत्नी का कमरे के अंदर शव मिलने पर पति कि वियोग में आत्महत्या करने की बात सामने आई थी। पुलिस को लोगों ने फांसी लगाने की बात कही लेकिन मायके वालों ने बेटी को जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया। कमरे से जहर की शीशी मिलने की बात भी कही। पुलिस ने जहर खाने के आरोप को भी जांच में शामिल करते हुए विवाहिता का विसरा भी प्रजर्व कराया है। पीएम में गले पर निशान दिखा लेकिन फंदे पर लटकना नहीं पाया। करवाचौथ की रात हुए विवाद के बाद थाना मटसेना के दबरई निवासी प्रमोद कुमार (28) ने गांव के पास से गुजर रही ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी तो वहीं उसकी पत्नी निशा (26) से पति की मौत की सूचना पर जान दे दी।

नोएडा डिपो से फिर चलेंगी प्राइवेट बसें, यूपीएसआरटीसी 10 नए रूटों के लिए कल निकलेगा टेंडर

नोएडा , एजेंसी।
नोएडा डिपो से आठ साल बाद एक बार फिर अनुबंध पर प्राइवेट बसें चलाने की तैयारी है। उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम सोमवार को 10 रूटों पर साधारण बस चलाने के लिए टेंडर जारी करेगा। यह बसें जिले के ग्रामीण रूट पर उतारी जाएंगी। इसके लिए प्रावधान में संशोधन किया गया है।

वर्ष 2017 में नोएडा डिपो से अनुबंध पर प्राइवेट ऑपरेटर की दो वातानुकूलित बसें चलती थीं। दोनों बसें जनरथ थीं। इसमें एक बस नोएडा से प्रयागराज और दूसरी लखनऊ के लिए चलती थी। कुछ समय बाद प्राइवेट ऑपरेटर ने घाटे का हवाला देते हुए बसों की सुविधा को जारी रखने में अक्षमता जाहिर की। इसके बाद उत्तर प्रदेश परिवहन निगम से करार खत्म हो गया। अधिकारियों का कहना था कि दूसरे प्रदेश के परिवहन निगम के साथ करार कर ऑपरेटर बस की सुविधा शुरू करना चाहता है, इस कारण उसने कदम पीछे खींचे हैं।

इसके बाद अनुबंधित बसें डिपो से नहीं शुरू हो सकीं। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम गौतमबुद्ध नगर के क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार ने कहा कि पहले मिनी बसों को ग्रामीण रूट पर चलाया जाना था, लेकिन योजना में बदलाव कर दिया गया है। मुख्यालय से 9 अक्टूबर को डीजल-सीएनजी बस अनुबंध योजना का कार्यालय आदेश मिला है। इसके तहत बस ऑपरेटर्स से अनुबंध के लिए टेंडर प्रक्रिया के जरिये आवेदन आमंत्रित किए जाने हैं। उन्होंने कहा कि बस अनुबंध प्रावधानों में कुछ संशोधन भी किए गए हैं। इसमें सबसे प्रमुख संशोधन यह है कि बसों में प्राइवेट ऑपरेटर का

ही कंडक्टर होगा। पहले के प्रावधान में ड्राइवर प्राइवेट बस ऑपरेटर का होता था, लेकिन कंडक्टर उत्तर प्रदेश परिवहन निगम का रखना अनिवार्य था। उन्होंने कहा कि संभव है कि प्राइवेट बस ऑपरेटर अनुबंध योजना में अब दिलचस्पी दिखाएंगे।

ऑपरेटर्स ने अनुबंध में नहीं दिखाई थी दिलचस्पी : बीते वर्षों में उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की ओर से कई बार अनुबंध की योजनाएं लाई गईं, लेकिन प्राइवेट बस ऑपरेटर्स ने इसमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। इसकी वजह उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की ओर से लागू प्रावधानों को लेकर निजी बस ऑपरेटर्स का सहमत नहीं होना था। यहीं कारण है कि प्रावधानों में संशोधन किया गया है।

इन शहरों के लिए सेवा उपलब्ध: नोएडा और ग्रेटर नोएडा डिपो से कई शहरों के लिए बसें चलती हैं। इसमें आगरा, मथुरा, एटा, कासगंज, बंदायू, हरिद्वार, कोटद्वार, मेरठ, शिकोहाबाद, अलीगढ़, बिजनौर, नजीबाबाद, लखनऊ, बरेली समेत अन्य शहरों की बसें शामिल हैं। सभी साधारण और सीएनजी से चलने वाली बसें हैं। इसके अलावा डिपो होकर लखनऊ, गोरखपुर, आगरा और मथुरा के लिए वातानुकूलित बसें भी निकलती हैं। इनमें जनरथ, पिंक और शताब्दी बस शामिल हैं। वॉल्वो बसों की सुविधा नहीं है।

बुजुर्ग के गुम हुए मोबाइल के जरिए पौने दो लाख निकाले

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸। कौशांबी थाना क्षेत्र के वैशाली में रहने वाली वरिष्ठ नागरिक के मोबाइल के जरिए साइबर ठगों ने उनके दो बैंक खातों से कई बार में 1.88 लाख रुपये निकाल लिए। बैंक से ईमेल आने पर बुजुर्ग को खातों से रुपये निकलने का पता चला। वैशाली के कल्पना अपार्टमेंट में रहने वाले वरिष्ठ नागरिक भूपाल राम के अनुसार 12 सितंबर की रात वह सब्जी खरीदने के लिए घर के पास में ही मंडी में गए थे। खरीददारी करते समय उनका मोबाइल कहीं गिर गया था। जब वह वापस घर पहुंचे तब अपने पुराने मोबाइल से खोए हुए मोबाइल पर कॉल की। फोन एक बार घंटी बजने के बाद बंद हो गया। इसके बाद उन्होंने पुराने मोबाइल में अपनी ई-मेल आईडी देखी। उसमें बैंक की तरफ से कई ई-मेल आए थे। देखने पर पता चला कि उनके एक खाते से पहली बार में 49500 और दूसरी बार में 40000 रुपये निकाले गए थे। वहीं, दूसरे बैंक खाते से चार बार में 80000 रुपये और पांचवीं बार में 19000 रुपये निकाले गए। भूपाल राम ने बताया कि इसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की। सीओ इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि 11 सितंबर को थाने पर शिकायत मिली थी। मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। सर्विलांस टीम खाते से रकम ट्रांसफर होने का रिकॉर्ड खंगाल रही है।

घर में घुसकर छात्रा से दुष्कर्म का प्रयास

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸। मोदीनगर की एक कॉलोनी में घर में घुसकर 12 वर्षीय छात्रा के साथ दुष्कर्म का प्रयास करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। नगर की कॉलोनी में एक व्यक्ति परिवार के साथ रहते हैं। उनकी 12 वर्षीय पुत्री कक्षा चार की छात्रा है। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाला एक युवक घर के अंदर आ गया और बच्ची के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। इसी बीच बच्ची ने आरोपी को धक्का देकर शोर मचा दिया। चीख पुकार सुन आसपास के लोगों का आना देखकर आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना के बाद से बच्ची डरी हुई है।

बाइक निकालने के विवाद में दबंगों ने युवक को पीटा

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸। खोड़ा में धर्मपाल टेंट हाउस के पीछे रहने वाले चेतन के अनुसार वह आठ अक्तूबर की सुबह घर से बाइक लेकर काम पर जाने के लिए निकले थे। गली में सौरभ, गौरव, विनोद और उनके साथी खड़े थे। बाइक निकालने के लिए उन्होंने रास्ते से हटने को कहा। आरोप है कि इस बात पर आरोपी आग बबूला हो गए और उनसे मारपीट कर दी। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸। मोदीनगर एक कॉलोनी निवासी एक युवती कॉलेज में पढ़ती है। उसकी दो साल पहले एक युवक से मुलाकात हुई थी। दोनों के बीच बातचीत होने लगी। आरोप है कि युवक ने युवती से शादी करने का वादा किया। इसके बाद युवक युवती को होटल में ले गया और दुष्कर्म किया। आरोप है कि युवक लगातार शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करता रहा।जब युवती ने शादी करने की बात कही तो युवक मारपीट कर घायल कर दिया।

गली में बच्चों को खेलने के लेकर दो पक्षों में चले लाठी डंडे

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸। लोनी थाना क्षेत्र की कंचन नगर कॉलोनी में गली में खेल रहे बच्चों को धमकाने को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। उपनिरीक्षक की शिकायत पर तीन नामजद समेत अज्ञात लोगों के खिलाफ शांतिभंग की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। कंचन पार्क कॉलोनी में दस अक्तूबर की शाम को गली में बच्चे के खेलने के दौरान विवाद हो गया। लोगों ने बच्चों को धमकाकर घर में भेज दिया। बच्चों को धमकाने को लेकर रोहित शर्मा और योगेश शर्मा के बीच विवाद हो गया, जिसके बाद दोनों पक्षों के करीब आठ लोग लाठी डंडे लेकर आमने सामने आ गए। मारपीट के बाद दोनों पक्षों के बीच पथराव हो गया। लोगों ने घरों के दरवाजे बंद कर मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मारपीट में घायल हुए चार लोगों को उपचार के लिए भर्ती कराया। सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि मामले में एक महिला रेनू समेत योगेश, रोहित समेत अज्ञात के खिलाफ उपनिरीक्षक की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

वाहन चोरी में एक युवक गिरफ्तार, चोरी का ऑटो और तमंचा बरामद

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸। लोनी थाना पुलिस ने क्षेत्र के बंद फाटक मार्ग के पास से शनिवार शाम वाहन चोरी में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से दिल्ली से चुराया गया ऑटो और तमंचा बरामद हुआ है। लोनी थाना पुलिस क्षेत्र के बंद फाटक मार्ग के पास बंथला फ्लाईओवर के निकट शनिवार शाम वाहनों की जांच कर रही थी। इस दौरान पुलिस टीम ने दिल्ली नंबर एक ऑटो को जांच के लिए रोका। जांच में ऑटो के दिल्ली से चोरी होने का पता चला। पुलिस टीम ने ऑटो चालक की तलाशी ली तो उसके कब्जे से एक तमंचा बरामद हुआ। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर थाने ले आई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम महेश निवासी मादीपुर थाना पंजाबी बाग दिल्ली बताया।

कार चालक की लापरवाही से साइकिल चला रही मासूम हुई घायल, रिपोर्ट दर्ज

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸। लोनी थाना क्षेत्र की गली में साइकिल चला रही मासूम कार चालक की लापरवाही से घायल हो गई। इलाज के दौरान पीड़िता के पैर में पांच टांके आए हैं। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। लोनी थाना क्षेत्र की रूपनगर कॉलोनी में रहने वाले आशिफ की भतीजी नमरा दस सितंबर को शाम करीब आठ बजे घर के बाहर गली में साइकिल चला रही थी। उन्होंने बताया कि पड़ोस में रहने वाला अब्दुल मलिक अपनी कार से वहां पहुंचा।

गांधी छाप नोटो की आड़ में लकड़ी माफियाओ द्वारा

हरे भरे पेड़ों पर चलाया जा रहा आरा

✸ एनसीआर टुडे. धामपुर ✸

क्षेत्र के ग्राम मिल्क जागीराबाद में पूरी तरह से स्वस्थ हरे-भरे फलदार आम के पेड़ों को परमिशन में दागदार व बिना फलदार दिखाकर वन विभाग की मिली भगत से परमिशन बनवाकर लकड़ी माफिया का चला आरा। बता दें कि गांव मिल्क जागीराबाद में पूरी तरह से स्वस्थ हरे-भरे फलदार आम के पेड़ों को वन विभाग की मिली भगत से दागदार व बिना फलदार दिखाकर बनाई गई परमिशन। जिसके एवज में सूत्रों के हवाले से पता चला है कि वन विभाग द्वारा लकड़ी माफिया से उक्त परमिशन बनाने के नाम पर मोटी रकम ली गई है।

जबकि पूरे उत्तर प्रदेश में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार द्वारा वृक्षारोपण पर करोड़ों रुपए खर्च कर के पर्यावरण को बचाने को लेकर पूरा प्रयास व देखरेख की जा रही है।

लेकिन कुछ संबंधित अधिकारियों की उदासीनता के चलते या यूं कहें के अपने मतलब के लिए ऐसे ही हरे-भरे फलदार पेड़ों को लकड़ी माफियाओं की बलि चढ़ाया दिया जाता है।

जब हमारी मीडिया टीम मौके पर पहुंची तो जिन पेड़ों को वन विभाग द्वारा दागदार व बिना फलदार दिखाकर परमिशन दी गई थी। उक्त सभी पेड़ पूरी तरह से स्वस्थ व हरे-भरे थे। वहीं आसपास के लोगों का यह भी कहना है कि इस बार भी अच्छी खासी फसल आम के फल की उक्त पेड़ों पर आई थी।

जो कि आप हमारी दिखाई गई वीडियो में भी साफ तौर पर देख सकते हैं कि सभी पेड़ स्वस्थ और साफ सुथरे हैं और पूरी तरह से हरे- भरे हैं। लेकिन न जाने किस आधार पर मौके पर निरीक्षण करने आए अधिकारियों द्वारा इन सभी हरे-भरे आम के फलदार पेड़ों की परमिशन बनाई गई है। जो कि खुद में एक बड़ा सवाल है।

जब इसको लेकर हमारे द्वारा वन विभाग धामपुर रेंज के एस ओ विजय भारत से बात करने की कोशिश की तो उनके द्वारा फोन को रिसीव नहीं किया गया।,जब मौके पर मौजूद लकड़ी माफिया द्वारा हम सब मीडिया कर्मियों द्वारा इस परमिशन के बारे में पता किया गया।

तो वह आग बबूला हो गया और मीडिया कर्मियों से अभद्रता करता हुआ उन पर झूठे आरोप लगाने की कोशिश करता रहा।जिससे कि उनकी आवाज को दबा सके। जबकि पूरी तरह से जिले में हरे भरे फलदार पेड़ों को काटने की परमिशन पूरी तरह प्रतिबंधित है। लेकिन फिर भी उक्त पेड़ों को वन विभाग की मिली भगत के चलते लकड़ी माफिया की भेंट चढ़ाया दिया गया है।

आलमपुर गाव मे हो रहा आम के पेड़ों का गोरखधंधा

बड़े स्तर पर कर रहे किसान यूनियन का पदाधिकारी बताकर पेड़ कटान

✸ एनसीआर टुडे. नगीना ✸

क्षेत्र के गांव आलमपुर में अनदाता कहा जाने वाले भारतीय किसान यूनियन

टिकैत का नाम बदनाम कर अपने आप को बड़े पद का पदाधिकारी बताकर अवैध तरीके से फलदार आम के पेड़ों के ऊपर आरा चलाकर गोरखधंधा कर बड़े स्तर पर तस्करी करने में लगे हैं।

जिसमें यह गोरखधंधा मुर्तजा व उमेश पंडत दोनों जो कि अपने आपको किसान यूनियन टिकैत के बड़े पदाधिकारी बताते हैं और रातों को फलदार आम के पेड़ो पर आरा चलाने में लगे हैं। पेड़ कटान माफ़िया और ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर रातों के समय में आम के पेड़ों का गोरखधंधा बड़े स्तर पर करने में लगे हुए।

इसी के साथ पुलिस प्रशासन व स्थानीय वन विभाग के अधिकारी भी किसान यूनियन टिकैत का नाम बताकर उन्हें डराते और धमकाते हैं। कहते है कि हम किसान यूनियन के है।

क्या ऐसे में योगी सरकार ऐसे मुल्ला और पंडतो द्वारा हो रहा है आम के पेड़ों को तस्करी कर गौरखधंधा आखिर कब तक चलेगा?

साहिबाबाद स्टेशन के पास बुजुर्ग महिला का शव मिलने से हड़कंप, जांच में आत्महत्या या हादसे की आशंका

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸

साहिबाबाद रेलवे स्टेशन से ठीक पहले ट्रैक के किनारे एक अज्ञात बुजुर्ग महिला का शव मिलने से शनिवार को क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

राहगीरों की सूचना पर जीआरपी और आरपीएफ टीम मौके पर पहुँचीं, आवश्यक पंचनामा की औपचारिकताओं के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। प्रारंभिक छानबीन में महिला की पहचान स्थापित नहीं हो सकी है, जिसके लिए आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी रिपोर्टों का मिलान किया जा रहा है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार घटना स्थल पर किसी तरह की झड़प, लूटपाट या संघर्ष के स्पष्ट संकेत नहीं मिले हैं।

जाँच अधिकारी इसे प्रथम दृष्टया आत्महत्या या ट्रेन से कटने जैसे रेल हादसे की दिशा में परख रहे हैं, हालांकि मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही संभव होगी। टीम ने घटनास्थल के संभावित समय-चक्र, गाड़ियों की आवाजाही और सिग्नल लॉग जैसी तकनीकी सूचनाएँ भी संकलित की हैं, ताकि घटना की सटीक परिस्थितियों का पुनर्निर्माण हो सके।

पुलिस के मुताबिक मृतका की उम्र लगभग साठ-पैंसठ वर्ष के बीच प्रतीत होती है। पहचान सुनिश्चित करने हेतु महिला के वस्त्र, आभूषण और अन्य सामग्री का विवरण संकलित कर नजदीकी थानों, जिला नियंत्रण कक्ष और खोया-पाया हेल्पडेस्क के साथ साझा किया जा रहा है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, स्टेशन प्लेटफॉर्मों और फुटओवर ब्रिज के प्रवेश-निर्गम बिंदुओं की रिकॉर्डिंग का भी विश्लेषण कराया जा रहा है।

जांच एजेंसियों ने स्थानीय निवासियों और यात्रियों से अपील की है कि यदि किसी बुजुर्ग महिला के अचानक लापता होने की जानकारी हो या मृतका की वेशभूषा/हुलिए से मेल खाते संकेत मिलें, तो निकटतम थाने या जीआरपी चौकी को सूचित करें। साथ ही, परिजनों से अनुरोध किया गया है कि हालिया दिनों में लापता सूचना दर्ज कराने पर वे पहचान प्रक्रिया हेतु उपलब्ध कराए गए दस्तावेज और फोटोग्राफ साथ रखें।

रेल प्रशासन ने इस अवसर पर यात्रियों को रेलवे परिसरों में सुरक्षा निर्देशों के पालन, भीड़ के समय प्लेटफॉर्म-ट्रेसपासिंग से बचने, चलती ट्रेन में चढ़ने-उतरने के जोखिम से दूर रहने और किसी आपात स्थिति में तत्काल हेल्पलाइन पर सूचना देने की सलाह दी है। पुलिस ने आश्वस्त किया कि मामले की निष्पक्ष जाँच की जाएगी और शिनाख्त होते ही परिजनों को विधि-सम्मत प्रक्रिया के तहत सूचना प्रदान की जाएगी।

इंडियन यूथ आर्मी अराजनैतिक की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से राष्ट्रीय उपमहासचिव चुना

✸ एनसीआर टुडे. नगीना ✸

इंडियन यूथ आर्मी अराजनैतिक राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी पदाधिकारी व सदस्यता ग्रहण सभा का आयोजन लोक निर्माण भवन नगीना में हुई जिसमें सर्वसम्मति से अंकुर कुमार को राष्ट्रीय उपमहासचिव व मीनाक्षी को महिला मोर्चा से प्रदेश अध्यक्ष चुना।

रविवार को इंडियन यूथ आर्मी अराजनैतिक संगठन की सभा का आयोजन लोक निर्माण भवन के मीटिंग हॉल में किया गया। जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय महासचिव रोहित कुमार रवि ने की एवं संचालन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आलोक प्रधान ने किया।

जिसमें संगठन के प्रचार प्रसार साधारण एवं सक्रिय सदस्य जोड़ने के अभियान, संगठन के लिए आवश्यक सामग्री एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी जन जन तक पहुंचाने संबंधित विभिन्न सामाजिक कार्यों के विषय पर सभी इंडियन यूथ आर्मी अराजनैतिक संगठन के कार्यकर्ताओं ने विचार किया एवं सर्वसम्मति से इन प्रस्तावो पर कार्य करने का निर्णय लिया गया है एवं अंकुर कुमार को राष्ट्रीय उपमहासचिव एवं मीनाक्षी चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा के पद पर नियुक्त कर फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। इब्राहिम प्रधान एवं अनुज कुमार ने भी सदस्य ग्रहण की जिनका स्वागत भी फूल मालाओं से किया गया। इस मौके पर इंडियन यूथ आर्मी अराजनैतिक संगठन के संस्थापक एड विसवास राव, राष्ट्रीय महासचिव युवा नेता रोहित कुमार रवि, राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि मालवा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष देशराज सिंह, राष्ट्रीय सचिव रामगोपाल सिंह, राष्ट्रीय सूचना मंत्री रोहित कुमार, राष्ट्रीय सचिव सुमित पाल आदि मौजूद रहे।

हादसा: डीजल के टैंकर में लगी भीषण आग को फायर ब्रिगेड ने बुझाया

✸ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✸

नजीबाबाद-- हरिद्वार रोड पर साहनपुर के पास एक डीजल टैंकर में अचानक

आग लगने से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि टैंकर रुद्रपुर से देहरादून जा रहा था, तभी अचानक शॉर्ट सर्किट के चलते आग लग गई।

कुछ ही पलों में टैंकर का अगला हिस्सा पूरी तरह से आग की लपटों में घिर गया। सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग दूर भागने लगे। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

वहीं ड्राइवर ने समझदारी दिखाते हुए समय रहते टैंकर से कूदकर अपनी जान बचाई। अगर आग टैंकर के पिछले हिस्से तक पहुँच जाती तो एक बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। वहीं, मौके पर पहुंचे सीओ नितेश प्रताप सिंह ने पुलिस बल के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया और आग लगने के कारणों की जांच के निर्देश दिए।

स्थानीय लोगों के अनुसार, फायर ब्रिगेड और पुलिस की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया। वहीं साहनपुर चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

मुकरंदपुर में डीएम का भव्य स्वागत

क्रॉप कटिंग कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने दरांती चलाकर किया धान कटाई, शुभारंभ

✸ एनसीआर टुडे. झालू ✸

विकास खंड हल्दौर क्षेत्र के ग्राम मुकरंदपुर में जिलाधिकारी जसजीत कौर एवं उप जिलाधिकारी रितु रानी का ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम का आयोजन प्रगतिशील किसान जयवीर सिंह के खेत पर किया गया, जहाँ जिलाधिकारी ने स्वयं दरांती से धान की फसल काटकर क्रॉप कटिंग कार्यक्रम का शुभारंभ किया।वहीं उप जिलाधिकारी रीतु रानी ने भी धान कटाई के दौरान अपनी कुशल प्रतिभा को प्रदर्शित कर मौजूद भीड़ को स्तब्ध कर दिया।

प्रगतिशील किसान जयवीर सिंह, वीरेंद्र विश्वकर्मा, रणवीर सिंह, तथा खंड विकास अधिकारी (जॉइंट मजिस्ट्रेट, IAS) कुणाल रस्तोगी का स्वागत पूर्व जिला पंचायत सदस्य मास्टर भीम सिंह पाल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने बुके भेंट कर किया।

कार्यक्रम के दौरान पूरे गांव में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। जिलाधिकारी के आगमन को लेकर ग्राम प्रधान धर्मेंद्र सिंह उर्फ भोले ने व्यापक तैयारियाँ की थीं। निर्धारित कार्यक्रम से लगभग पाँच घंटे विलंब के बाद शाम करीब चार बजे जिलाधिकारी का काफिला गांव पहुँचा।, जहाँ ग्रामीणों ने फूलों की बुके भेंटकर उनका स्वागत किया।

गांव के शानदार पंडाल में आयोजित स्वागत समारोह में जिलाधिकारी का स्वागत पूर्व प्रधान सुखवीर सिंह, समाजसेवी महेश चंद शर्मा एवं ग्राम प्रधान धर्मेंद्र सिंह ने फूलो का गुलदस्ता भेंट कर किया। वहीं उप जिलाधिकारी रितु रानी का स्वागत

इस अवसर पर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने फैमिली आईडी का वितरण किया और विकसित भारत 2047 के अंतर्गत ग्रामीणों को योजना की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने ग्रामीणों से क्यूआर कोड के माध्यम से अपने विचार साझा करने का आह्वान भी किया। जिलाधिकारी ने इस मौके पर ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि किसी भी समस्या के समाधान के लिए वे सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं। कार्यक्रम की सफलता में ब्लॉक व राजस्व विभाग के कर्मचारियों की अहम भूमिका रही, जो सुबह से ही तैयारियों में जुटे रहे। कार्यक्रम के सफल समापन के बाद कर्मचारियों ने राहत की सांस ली।

ग्रामीण एवं प्रशासन के बीच संवाद सेतु बना क्रॉप कटिंग कार्यक्रम क्राफ्ट

मुकरंदपुर में आयोजित क्रॉप्स कटिंग कार्यक्रम कार्यक्रम न केवल प्रशासन और ग्रामीणों के बीच संवाद का सेतु बना, बल्कि किसानों में नई ऊर्जा और विश्वास का संचार भी हुआ।

जिलाधिकारी . जसजीत कौर के सहज एवं प्रेरणादायी व्यवहार ने ग्रामीणों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी। वहीं उप जिलाधिकारी सदर रितु रानी की क्रॉप कटिंग के दौरान प्रदर्शित प्रतिभा को देखकर जहां ग्रामीण स्तब्ध रह गए। वही मोजूद महिलाओं ने उनके जज्बे और फुर्ती को सलाम करते हुए दांतों तले उंगली दबा ली। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम भविष्य में भी जारी रहने चाहिए, ताकि विकास की गूंज गांव-गांव तक पहुँच सके।

मिशन 5.0 के तहत दरौगा ने महिला जन चौपाल लगाकर महिलाओं को जागरूक किया

✸ एनसीआर टुडे. नगीना देहात ✸

ग्राम ढकिया बावन सराय थाना नगीना देहात में मिशन 5.0 के तहत उप निरीक्षक नोडल अधिकारी मिशन शक्ति श्री बनी सिंह उप निरीक्षक शखेम सिंह महिला कॉन्स्टेबल विशाखा व सरिता कांस्टेबल राजू सागर द्वारा जन चौपाल लगाई गयी जिसमे लगभग 50 महिलाएं शामिल हुई सभी को सरकार द्वारा जारी विभिन्न टोलफ्री हेल्पलाइन नंबरों जैसे 1090 वूमेन हेल्पलाइन नंबर, 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102/108 एंबुलेंस नंबर, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर, 181 वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर आदि नंबरों के बारे मे जागरूक करते हुए एवं सरकार द्वारा चलाई जाने वाली विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे कन्या सुमंगला योजना, विधवा पेंशन योजना, वृद्धा पेंशन योजना, सामूहिक विवाह योजना, छात्रवृत्ति योजना आदि, के बारे मे जागरूक करते हुए। ग्राम प्रधान व पुलिस टीम मौजूद रही।

ठाठजट में दीपावली मिलन समारोह में उमड़ी भीड़, विधायक अशोक राणा की लोकप्रियता फिर हुई साबित

एनसीआर टुडे. धामपुर। भाजपा विधायक, सलाम अशोक राणा के गांव ठाठजट में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में अपार भीड़ उमड़ी। सुबह से ही लोगों का आना शुरू हो गया था और देर शाम तक जनसैलाब बना रहा।कार्यक्रम में किसी बड़े नेता की मौजूदगी न होने के बावजूद जनता की भारी भागीदारी ने साफ कर दिया कि क्षेत्र में विधायक राणा की पकड़ अब भी मजबूत है। मुस्लिम समाज के साथ वैश्य, चौहान, पाल, प्रजापति, कश्यप और गुर्जर समाज के लोग भी बड़ी संख्या में पहुंचे। विधायक के पुत्र राणा प्रियंकर व उदित नारायण सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। जबकि नीरज प्रताप सिंह, उज्जवल चौहान और राघव शरण गोयल ने मंच संचालन संभाला। मंच से विधायक अशोक राणा ने कहा कि यह कार्यक्रम कोई राजनीतिक सभा नहीं, बल्कि जनता से आत्मीय जुड़ाव का प्रतीक है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्रवासियों के हर सुख-दुख में वे सदैव साथ रहेंगे। इस मौके पर उनकी माता शांति देवी ने भी उपस्थित लोगों को आशीर्वाद दिया।

छठे दिन कथा मे रुक्मणी मंगल विवाह का भावपूर्ण प्रसंग आयोजित

✸ एनसीआर टुडे. झालू ✸

निकटवर्ती ग्राम खारी स्थित प्राचीन झारखण्डी शिव मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिवस का आयोजन श्रद्धालुओं के लिए भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक आनंद से परिपूर्ण रहा। कथा व्यासपीठ पर शुक्रताल धाम से पधारे त्रिदण्डी स्वामी भक्ति भूषण गोविन्द महाराज ने रासलीला एवं रुक्मणी मंगल विवाह का अद्भुत प्रसंग सुनाया।

महाराज श्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणी जी का विवाह केवल सांसारिक बंधन नहीं, बल्कि सच्चे प्रेम और भक्ति का शाश्वत प्रतीक है।

उन्होंने यह भी बताया कि जब भक्ति निष्कपट होती है, तब भगवान स्वयं भक्त की पुकार सुनकर उसके जीवन में अवतरित हो जाते हैं।

कथा के दौरान जब रुक्मणी विवाह का प्रसंग आया, तो पूरा पंडाल "जय श्रीकृष्ण" और "जय रुक्मणी-कृष्ण" के जयकारों से गूंज उठा।

भजनों की मधुर स्वर लहरियों और हरिनाम संकीर्तन से मंदिर परिसर में दिव्य वातावरण बन गया, जिसमें भक्त देर तक भक्ति-रस में डूबे रहे।

इस अवसर पर लटूर सिंह, डॉ. धर्मवीर सिंह, सरिता बहन, प्रीतम सिंह, गोल्डी, प्रमिला, सुनीता, रूपा, सुमन, पूनम सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विशेष रूप से थाना हल्दौर प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार को महाराज जी द्वारा शॉल और फूलों की माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

जिससे उपस्थित सभी भक्त भावभीनित होकर उनका अभिनंदन कर उठे। कथा उपरांत सभी भक्तों को फल का प्रसाद वितरित किया गया। महिलाओं, बच्चों और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर स्वयं को धन्य अनुभव किया।

महाराज श्री ने अपने हाथों से सभी को प्रसाद देकर आशीर्वाद प्रदान किया। पूरे मंदिर परिसर में "हरे कृष्ण, हरे राम" के जयकारों की गूंज से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

पर मारपीट करने पर एक परिवार के चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

✸ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✸

लोनी थाना क्षेत्र की मुस्तफाबाद कॉलोनी में छत पर कांच की बोतल फेंकने का विरोध करने पर पड़ोसी ने महिला के साथ गाली गलौज की।

विरोध किया तो पड़ोसियों ने महिला और उसकी सास के साथ मारपीट की। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। मुस्तफाबाद कॉलोनी निवासी रसीना के घर पर पड़ोस में रहने वाले बिलाल ने कांच की बोतल फेंकी थीं। बोतल के टूटने पर कांच छत पर चारों ओर फैल गए। उन्होंने बिलाल से बोतल फेंकने का विरोध किया तो उसने गाली गलौज करनी शुरू कर दी। शोर सुनकर सास साबरा भी मौके पर पहुंचीं। इस दौरान बिलाल के भाई आलिम और उनकी दो बहनें राबिया और तय्यैबा भी वहां पहुंच गई। आरोप है कि चारों ने मिलकर महिला और उनकी सास मारपीट की। जिससे दोनों को काफी चोट आई। लोगों के एकत्र होने पर चारों जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

संपादकीय

अमीर खान मुत्ताकी ने परोसी कट्टरता की बानगी

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की दिल्ली स्थित दूतावास में आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में कोई महिला पत्रकार मौजूद नहीं थी। पत्रकारों को आमंत्रित करने वाले उत्तरदायी अधिकारियों पर महिला विरोधी मानसिकता वाली तालिबानी सोच को भारत पर थोपने के आरोप लगाये जा रहे हैं। इस तरह के पक्षपातपूर्ण रवैये को तकनीकी समस्या बताकर अफगानिस्तान के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने सफाई देने की कोशिश की। उनके अनुसार यह नीतिगत फैसला नहीं था बल्कि तकनीकी मुद्दा है जिसे भविष्य में ध्यान में रखा जायेगा। उल्लेखनीय है कि तालिबान पर लगातार महिलाओं के अधिकारों को कुचलने के आरोप लगाये जाते रहे हैं जिसका जीता जागता उदाहरण दिल्ली में आयोजित प्रेस ब्रीफिंग के दौरान देखने को मिला।

इस घटना पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि दूतावास में होने वाली प्रेस ब्रीफिंग में उनकी कोई भूमिका नहीं थी, यह पूरी तरह से अफगानिस्तान की तरफ से आयोजित की गई थी। ऐसे में अमिर खान मुत्तकी का दौरा पूरा होने के पहले ही विवादास्पद बन गया। प्रेस ब्रीफिंग का मुद्दा अंतर्राष्ट्रीय श्तर पर गर्माते हुए ही उत्तरप्रदेश के सहारनपुर जिले के देवबंद में हुए उनके दौरे के दौरान महिला पत्रकारों को प्रवेश तो दिया गया मगर उनके लिए तालिबानी शर्त लगा दी गई। दुनिया भर प्रसिद्ध इस्लामी शिक्षण संस्थान दारुल उलूम देवबंद में अमीर खान मुत्ताकी के दौरे के दौरान महिला पत्रकारों से कहा गया कि वे कार्यक्रम के दौरान परदा करके अलग स्थान पर बैठें। आयोजकों ने अपने इस कट्टरपंथी फरमान को परम्परागत व्यवस्था का हिस्सा बताया। ज्ञातव्य है कि इस संस्थान की स्थापना सन 1866 में की गई थी।

मुगल साम्राज्य का पतन करके अंग्रेजों ने अपनी सत्ता स्थापित की थी। गोरों ने मुस्लिमों की कट्टरपंथी संस्थाओं को बंद करा दिया था। उग्रवादी मुसलमानों को सलाखों के पीछे भेज दिया गया था। विरोध करने वालों को फांसी की सजा तक दी गई थी। इसी मध्य इस्लाम का नारा बुलंद करके गजवा-ए-दुनिया का ख्वाब देखने वालों ने 30 मई 1866 को एक साथ मिलकर देवबंद में चोरी छुपे एक मजहबी मदरसे की स्थापना की जिसमें पढने वालों ने कालान्तर में अन्य भू भागों में जाकर कट्टरपंथ का इकबाल बुलंद किया।

दारुल उलूम में तालीम लेने के लिए दुनिया भर से कट्टरपंथी मुस्लिम परिवारों के नवनिहाल आने लगे जिन्होंने अपनी पढाई पूरी करके अनेक देशों में ऐसे ही मदरसे स्थापित किये। यहीं के छात्र शेख अब्दुल हक ने सन 1947 में पाकिस्तान के पेशावर से लगभग 55 किलोमीटर दूर अकोरा खटक में दारुल उलूम हक्कानिया की स्थापना। देवबंद के दारुल उलूम के सिद्धान्तों पर चलने वाले हक्कानिया मदरसों ने अफगानश्तान में कट्टरपंथियों को संरक्षण दिया और उनके अनेक प्रभावशाली युवाओं को अपने मदरसे के अलावा देवबंद भेजकर भी इस्लाम के कठोर संस्करणों में ढालने की पहल की। शेख अब्दुल हक की मौत के बाद उनके बेटे समी उल हक़ ने सन 1988 में मदरसे की कमान संभाली। मदरसा अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढने लगा। कट्टरता का इकबाल बुलंद करने के लिए अनेक देशों से सहायता, सहयोग और सलाह मिलने लगी। तन, मन और धन की सम्पदा में बेतहाशा इजाफा होता चला गया।

परिणामस्वरूप तालिबान नेताओं ने सन 1990 के दशक में काबुल पर कब्ज़ा कर लिया था। एक अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्र के अनुसार सन 2001 में अमेरिका ने अफगानश्तान में तालिबान सरकार को सत्ता से हटाने में मदद की तो इस कट्टरपंथी मदरसे और उसके संस्थापक ने आतंकवाद का सहारा लेकर अमेरिका समर्थित सरकार को खौफ के साये में जीने पर मजबूर कर दिया। यही कारण है कि समी उल हक़ को 'तालिबान का जनक' कहा जाता है। सन 2018 में समी उल हक़ की हत्या के बाद उनके पुत्र हामिद उल हक़ ने मदरसों की कमान संभाली थी और देवबंद के सिद्धान्तों को फैलाने में जुट गये। इस अभियान को देवबंदी आन्दोलन का नाम देकर पूरे पहले दक्षिण एशिया और फिर समूची दुनिया में कट्टरपंथ का विश्तार दिया जाने लगा।

विशेषकर पाकिश्तान-अफ़ग़ानिश्तान सीमा पर स्थापित अब्दुल हक़ ने दारुल उलूम हक्कानिया में अफगानश्तान के तालिबानियों को सत्ता हासिल करने के लिए खास तौर पर तैयार किया जाता रहा जिसमें देवबंद के उलेमाओं की सक्रिय भागीदारी दर्ज होती रही। ऐसे में अफगानश्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी का यह देवबंद दौरा बेहद अहम हो जाता है जहां उन्होंने उलेमाओं के साथ-साथ दारुल उलूम के संचालकों के साथ बेहद गोपनीय चर्चायें भी की। यहां यह भी रेखांकित करना आवश्यक है कि सन 2021 में अफगानश्तान की सत्ता में तालिबान की वापिसी के बाद अमीर खान मुत्तकी ने ही कार्यवाहक विदेश मंत्री की हैसियत से सन 2023 के मई महीने में पाकिश्तान का भी दौरा किया था जिसे वहां की सरकार ने बेहद अहम करार दिया था। उस दौरान भी कट्टरता के अनेक उदाहरण समाने आये थे जिस पर अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया ने जमकर टिप्पणी की थी। वाश्तविकता तो यह कि भारत के देवबंद स्थित दारुल उलूम और पाकिश्तान के ख़ैबर पख़्तूनख़्वाह वाले दारुल उलूम हक्कानिया में अफगानश्तान सहित दुनिया भर के अनेक कट्टरपंथी संगठनों के सदस्यों ने इस्लाम की बंदिशों को कठोरता से पालन करवाने के फार्मूले सीखे और उन्हें आतंक की दम पर लागू करवाने में जुट गये।

संसार भर में इस्लाम के 72 फिरके हैं यानी इस्लाम को मानने की 72 पद्धतियां व्यवहार में हैं परन्तु कट्टरता के नाम पर सभी एक होकर गजवा-ए-दुनिया के ख्वाब को अपने-अपने ढंग से पूरा करने में लगे हुए हैं। वर्तमान हालातों में अफगानश्तान की सत्ता पर काबिज होने के बाद पहली बार अपनी छः दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचते ही तालिबान ने अपनी मंशा जाहिर कर दी है। उनका छुपा हुआ पैगाम संकेतों के रूप में सामने आ रहा है कि यदि हमसे संबंध रखना है तो हमारे साथ हमारे उसूलों पर ही हाथ मिलाना होगा, भले ही हमें अभी तक दुनिया ने पूरी तरह मान्यता नहीं दी हो, मगर हम कमजोर नहीं है। इस संकेत के कारण आज दुनिया भर में अफगानश्तान के तालिबानी विदेश मंत्री का भारत दौरा उनकी कट्टरता, महिलाओं पर पाबंदियों और देवबंद के कारण निरंतर सुर्खियों में बना हुआ है।

अमीर खान मुत्ताकी के द्वारा परोसी गई कट्टरता की बानगी को भारतीय संस्कृतियों, संस्कारों और सौहार्द पर तालिबानी हमले के रूप में परिभाषित किया जाने लगा है। ऐसे में अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय को एक बार फिर अफगानश्तान की तालबान सरकार के रवैये की गहन समीक्षा करके नवीन राय स्थापित करना होगी तभी हाथी के दांतों का अन्तर सामने आ सकेगा। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नयी आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

राग स्वदेशी : हक़ीक़त और फ़साना

तनवीर जाफ़री

हमारे देश में स्वदेशी उत्पादों का इश्तेमाल करने के लिये प्रायः आवाज़ बुलंद की जाती है। भारत में स्वदेशी सामानों के इश्तेमाल पर ज़ोर इसलिए दिया जाता है क्योंकि इससे देश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से कई महत्वपूर्ण लाभ होते हैं।

देश में स्वदेशी सामान की खपत से स्वदेशी वश्तुओं का उत्पादन बढ़ता है, जिससे स्थानीय उद्योगों को बल मिलता है। इससे रोज़गार के नए अवसर पैदा होते हैं और बेरोज़गारी की समस्या कम होती है। इसके अतिरिक्त विदेशी उत्पाद पर निर्भरता भी कम होती है।

इसीलिये कभी सरकार की तरफ़ से देश को आत्मनिर्भर बनाने के मक़सद से स्वदेशी अपनाने के बारे में देश को जागृत करने के प्रयास किये जाते हैं तो कभी स्वदेशी उत्पादों के नाम पर अपना व्यवसाय चलाने वाले भी 'स्वदेशी अपनाओ ' की बातें करते नज़र आते हैं। परन्तु क्या वजह है कि हम तो स्वदेशी का राग ही अलापते रह जाते हैं उधर पड़ोसी देश चीन का बड़े भारतीय बाज़ार पर क़ब्ज़ा हो जाता है? चीन निर्मित शायद ही कोई ऐसा जीवनोपयोगी उत्पाद हो जिसकी भरपूर खपत भारत में न होती हो। परन्तु हमारे देश में स्वदेशी अपनाओ का शोर तो ज़्यादा सुनाई देता है परन्तु उसकी गुणवत्ता सुधारने या उचित क़ीमत में आकर्षक, टिकाऊ व योग्य वश्तु का उत्पादन करने पर ज़ोर कम दिया जाता है।

स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई प्रमुख अवसरों पर आत्मनिर्भर भारत बनाने हेतु स्वदेशी अपनाने के संबंध में जनता से अपील कर चुके हैं। वे दुकानों को स्वदेशी वश्तुओं से सजाने और भारतीय उत्पादों को गर्व से उपयोग करने के लिए नागरिकों को प्रेरित करते रहते हैं।

प्रधानमंत्री का मानना है कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब भारतीय सामान वैश्विक बाज़ार में अपनी पहचान बनाएं और प्रत्येक नागरिक स्वदेशी उत्पादों के इश्तेमाल पर गर्व महसूस करे। इसीलिये प्रधानमंत्री अक्सर 'वोकल फ़ॉर लोकल' की बात करते सुने जाते हैं जिसमें स्थानीय बाज़ार और उत्पादों को बढ़ावा देने पर बल दिया जाता है। निःसंदेह भारत की आत्मनिर्भरता का मार्ग तभी मज़बूत होगा जब देशवासी अपने उत्पादन, तकनीक और नवाचार में स्वदेशी को प्राथमिकता दें। विदेशी वश्तुओं की जगह देसी उत्पाद को पहचान और सम्मान देना आज के दौर में राष्ट्रीय हित, सुरक्षा और आर्थिक मज़बूती के लिए अत्यंत आवश्यक है।

परन्तु सवाल यह है कि भारतवासियों के लिये स्वदेशी उत्पाद बनाने वाली कंपनियां या उद्योग अपने आप में कितने विश्वसनीय हैं? क्या वजह है कि देश के लोगों को भारतीय उत्पाद की तुलना में अनेक विदेशी उत्पाद ज़्यादा पसंद आते हैं।

कई विपक्षी नेता तो यहां तक कहते हैं कि स्वदेशी अपनाने का पाठ पढ़ने वाले प्रधानमंत्री स्वयं विमान से लेकर मोबाईल फ़ोन, पेन, चश्मा व घड़ी आदि सब कुछ विदेशी प्रयोग करते हैं? स्वदेशी उत्पाद बनाने व बेचने वाले रामदेव भी पूरे देश को स्वदेशी अपनाने की शिक्षा देते रहते हैं।

परन्तु अनेक बार उनके उत्पाद मिलावटी या निर्धारित मानकों के प्रतिकूल पाए गये हैं। सेना सहित कई प्रमुख जगहों से पतंजली के उत्पाद हटाये जा चुके हैं। कई बार उनके उत्पाद गुणवत्ता के मानक पर खरे नहीं उतरे। ऐसे में स्वदेशी उत्पाद की विश्वसनीयता पर सवाल तो उठेगा ही?

इसी तरह पिछले दिनों तमिलनाडु में बने 'कोलड्रिफ़' नामक कोल्ड सीरप ने देशभर में हंगामा खड़ा कर दिया। इस सिरप के पीने से अब तक मध्य प्रदेश, राजस्थान, केरल, और अन्य राज्यों के 26 से अधिक बच्चों की मौत हो चुकी है। यह मामला भारत में स्वास्थ्य और दवा सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर

रहा है। तमिलनाडु की श्रीसन फ़ार्मास्युटिकल कंपनी द्वारा निर्मित इस विषाक्त सीरप के सेवन से अनेक बच्चों की किडनी फ़ेल हो गयी और कई बच्चों की मौत हो गई।

14 वर्षों से निर्माणाधीन यही सीरप आख़रिकार रिक्तियों, नियमों के उल्लंघनों और मिलावट के कारण अपनी गुणवत्ता पर खरा नहीं उतरा और ज़हरीला साबित हुआ। क्या इस तरह की घटना भारत की दवा सुरक्षा प्रणाली की गंभीर चूक का संकेत नहीं है? निश्चित रूप से इस ज़हरीली दवा के निर्माण में मानकों का उल्लंघन हुआ, और इसे कई वर्षों तक बिना उचित निगरानी के बाज़ार में फैलने दिया गया।

बेशक सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है और दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में क़दम उठाने की बात भी की है परन्तु जिनके घरों के 'चिराग़' बुझ गये न तो उन्हें वापस लाया जा सकता है न ही उनपरिवारों को स्वदेशी उत्पाद पर भरोसा करने का पाठ पढ़ाया जा सकता है।

आज पूरे देश में सरे आम ज़हरीली सब्ज़ियां, विषाक्त फल, मिलावटी व ज़हरीले दूध, पनीर घी मक्खन खोया कुट्टू का ज़हरीला आटा आदि तमाम चीज़ें बेचीं जा रही हैं।

दूध की तो रोज़ के उत्पादन से कई गुना अधिक की खपत है, सरकार व प्रशासन को भी यह सब पता है परन्तु मिलावट ख़ोर मौत के सौदागर सरे आम ऐसी ज़हरीली सामग्री बाज़ार में खपा रहे हैं। तमाम नक़ली दवाइयां बाज़ार में बेचीं जा रही हैं।

इसी तरह मिलावटी व ज़हरीली मिठाइयां व बेकरी के सामान बाज़ार में बेख़ौफ़ बिकते हैं। बाज़ार में इन सब चीज़ों की खपत का मुख्य कारण भ्रष्टाचार है। इन मौत के सौदागरों को भली भांति मालूम है कि उनके काले करतूतों का पर्दा फ़ाश होने के बावजूद उनका कुछ भी बिगड़ने वाला नहीं।

केवल गुणवत्ता का ही प्रश्न नहीं बल्कि मिठाई वाला यदि आपको एक या दो हज़ार रूपये किलो मूल्य की मिठाई देता है तो वह गत्ते के डिब्बे को भी उसी रेट में तोल देता है।

यानी आपको मंहगी क़ीमत अदा करने के बावजूद पूरा सामन नहीं मिल पाता। किसी सामग्री पर छपे अधिकतम खुदरा मूल्य को लेकर भी बड़ा गोलमाल देखा जा सकता है। कई बार तो प्रिंटेड रेट से आधे मूल्य पर भी दुकानदार सामन बेच देता है। जबकि आधे मूल्य पर बेचने पर भी दुकानदार मुनाफ़ा कमाता है।

हमारे देश में अभी भी किसी वश्तु के प्रयोग की तिथि समाप्त होने यानी एक्सपायरी डेट निकल जाने के बावजूद सीधे सादे व अनपढ़ लोगों को ऐसा सामान बेच दिया जाता है।

कई कम गुणवत्ता वाले सामानों पर किसी ब्रांडेड कम्पनी की मुहर लगा कर बाज़ार में बेच दिया जाता है। इस तरह की मानसिकता का केवल एक ही कारण है कि इस तरह के व्यापार करने वाला व्यक्ति कम समय में अधिक धन कमाना चाहता है। और अपने इस ' अनैतिक व नापाक मिशन' में वह यह भी भूल जाता है कि ऐसा कर वह आम लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहा है क्योंकि उसे इस बात का पूरा यक़ीन रहता है कि किन्हीं विशेष परिस्थितियों में उसके पकड़े जाने के बावजूद उसका कुछ बिगड़ने वाला नहीं।

लिहाज़ा देशवासियों को स्वदेशी उत्पाद अपनाने की सलाह देने वालों को चाहिये कि पहले उत्पादन कर्ताओं को यह सख़्त निर्देश व सन्देश दिया जाये कि गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। मिलावट ख़ोरी, नक़ली व ज़हरीले खाद्य पदार्थ बाज़ार से पूरी तरह ग़ायब हों। देशवासियों को ज़हरीली सामग्री बेचने वालों को सामूहिक हत्या के अभिप्रायपूर्वक किये गये प्रयास का दोषी मानकर दण्डित किया जाये।

भारतीय उत्पाद की क़ीमतें व नाप तौल ठीक हों। जब तक देशवासियों में स्वदेशी उत्पाद के प्रति पूरा विश्वास पैदा नहीं होता तब तक 'राग स्वदेशी' अलापना इसलिये मुनासिब नहीं क्योंकि इसकी हक़ीक़त कुछ और है जबकि असली फ़साना कुछ और।

नीतीश कुमार की जीत क्या पक्की

संजय गोस्वामी

बिहार चुनाव लेकर जो खबरें मिल रही है उसमें पुनः महागठबंधन गलती पर गलती कर रही है और हर घर में नौकरी का वादा तेजस्वी यादव कर रहे है प्रशांत किशोर टी वी और सुर्खियों में बने हुए हैं नौकरी देना हर घर मैं किस आधार पर मिलेगा क्योंकि नौकरी के लिए पढ़ाई करना जरुरी है नौकरी किस तरह का होगा ऐ भी घोषणा करना चाहिए क्योंकि शिक्षा ही आपकी नौकरी को सुनिश्चित करती है अतः पहले शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए वहाँ अधिकांश नौकरी शिक्षक की होती है अगर शिक्षा में पूर्ण पारंगत नहीं है तो शिक्षक क्या पढ़ाएंगे।

अतः बेरोजगार को नौकरी मिलना अच्छी बात है लेकिन नौकरी किस पद की मिलेगी क्योंकि हर घर से टैलेंटेड कैंडिडेट तो होंगे नहीं और जो टैलेंटेड नहीं है उसे किस पद पर नौकरी मिलेगी नीतीश कुमार जीत की बुनियाद लिख चुके हैं क्योंकि वो चुपचाप अपना काम कर रहें हैं उनका काम शिक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर और महिलाओ के लिए एक अच्छा काम हुआ है। भाई वो एक इंजीनियर हैं उनको नॉलेज है कहाँ क्या करना है पटना मैं किसी से पूछ लीजिये एक मरीन ड्राइव पटना मैं भी बना है। इतना आसान नहीं है राश्ते को तोड़ कर वहाँ पुल का निर्माण करवाना इसलिए उनको सुशासन बाबू कहा जाता है महागठबंधन मैं कई ऐसे दल हैं जो माओवादी विचारधारा के हैं उनका सरकार मैं क्या भूमिका होगी इधर एनडीए मैं बीजेपी और जेडीयू के साथ मिली है तो 150 सीट तक आराम से प्राप्त कर लेगी इधर कुछ सालों मैं ऐसी स्थिति हुई है जो जनता को मालूम है। लेकिन मीडिया को नहीं जहाँ मेरा गाँव था वहाँ पैदल पहुंचना एक कठिन चुनौती थी वहाँ कार चली गई गावों मैं बिजली और महिलाओ को बड़ी संख्या मैं नौकरी मिली है। इधर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया और उत्तर प्रदेश की चार बार की मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को लखनऊ में बसपा संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित विशाल रैली को संबोधित किया और समाजवादी पार्टी (सपा) पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने स्मारक स्थलों के रखरखाव के लिए टिकट से मिली राशि का सही उपयोग किया बसपा सुप्रीमो मायावती को काशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर बीजेपी की तारीफ करना भी बिहार चुनाव मैं महागठबंधन के लिए बुरी खबर है और इससे वहाँ के कांग्रेस नेता अजय राय ने कहा कि संविधान की रक्षा हमेशा कांग्रेस ने की है।

राहुल गांधी ने संविधान को आम आदमी, गरीब और खासकर दलित समाज के हित में लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मायावती का दलित प्रेम केवल दिखावा है और उनका काम हमेशा दलितों को ठगने तक सीमित रहा है। अजय राय ने कहा कि मायावती की रैली भाजपा द्वारा प्रायोजित है। यह रैली यूपी चुनाव के लिए नहीं बल्कि बिहार चुनाव के लिए आयोजित की गई है, ताकि बीजेपी को लाभ पहुंच सके।

अजय राय ने मायावती पर यह भी आरोप लगाया कि मायावती दलित-मुस्लिम विरोधी हैं और भाजपा के कहने पर काम कर रही हैं, जबकि बिहार में दलित कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के साथ खड़ा हो गया है जहाँ इस मुद्दे पर चुप रहना चाहिए तो मुँह खोलने से और भी विवाद बढ़ेगा क्योंकि बसपा की सुप्रीमो मायावती के बयान के कुछ मायने हैं एक समय उप्र मैं मुख्यमंत्री भी रही है।

अब इस मुद्दे को योगीजी बिहार के चुनाव मैं याद दिलाएंगे और उप्र और बिहार में आधे से अधिक लोगों का पारिवारिक संबंध है और ऐ सब जंगल राज के वजह से हुआ टैलेंट जिसमें था वो जंगलराज मैं बिना पैसे या राजनीति सम्बन्ध ना होने के कारण बाहर बाहर निकलें और वहाँ उनको नौकरी मिली और जो महिला वहाँ थी उसने बिहार का हाल देखकर जंगलराज के डर से उप्र मैं शादी हुआ अतः मायावती के जो विचार थे उसमें सच्चाई भी होगी तभी उसने कहा होगा और बीजेपी को इसका फायदा बिहार चुनाव मैं अवश्य मिलेगा नीतीश कुमार का 2020 मैं उनका सामना उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी और एलजेपी से हुआ जिसमें कई सीटों पर नुकसान हुआ अतः बिहार मैं एनडीए मैं जब चिराग पासवान केंद्रीय मंत्री हैं तो वो भी सोच समझ कर ही निर्णय लेंगे और जितनराम मांझी जी भी इस उम्र मैं भी केंद्रीय मंत्री हैं और राज्य मैं उनका पुत्र भी मंत्री है अतः वो भी कुछ कम सीटे ही सही लेकिन मान जायेंगे क्योंकि वो अब अपने लड़का को आगे करना चाहेंगे अतः बिहार मैं ऐ कहना क़ोई बूढ़ा हो गया है शासन नहीं चला सकता ऐ ठीक नहीं है।

आखिर इतने उम्र मैं भी जीतनराम मांझी का जनाधार कम नहीं हुआ है नीतीश कुमार के शासन की सबसे बड़ी उपलब्धि ऐ रही की बिहार में शराबबंदी हुई जिससे बिहार में राजस्व का भले ही नुकसान हुआ लेकिन रात में जो पीकर गाली गलौज रोड पर लेते रहते थे इससे उनके परिवार को तो परेशानी होती थी दूसरों को काफी परेशानी होती थी जोड़ जोड़ के आवाज़ से डर लगने लगता था और इससे बहुत से लोगों के लिवर या किडनी भी ख़राब हुई थी और घऱ बर्बाद हुआ शराब बहुत ही गन्दी चीज है जिसकी आदत लगी तो छूटेगी नहीं और इसके लिए पैसा भी चाहिए और फिर घर का समान बेचना जुए खेलने से गाँव शहर में बर्बादी हुई और महिलाओ पर अभद्र टीका टिप्पणी होती थी।

इसलिए बिहार में अब नहीं चाहिए जंगल राज क्योंकि जैसे ही गलती से भी सत्ता हाथ लगी देखिये डेली क़ोई ना क़ोई घटना चालू हो जायेगा लेकिन अभी भी बिहार माफियाओ से मुक्ति नहीं मिली है जो चुनाव में जीत और हार का ठेका लेते हैं क्योंकि डर से कुछ जगह पब्लिक वोट देने नहीं जाती है और ऐ बिहार के लिए बीजेपी के लिए अभी भी एक चूनौती है जिस दिन ऐ माफियाओ पर लगाम नहीं लगेगी बीजेपी को अपने दम पर सरकार बनाना मुश्किल होगा और छोटे छोटे दल मोल भाव या सीटों पर अपनी दावेदारी मजबूत करेंगे और ऐसे में किसी भी एक पार्टी का सरकार बनना मुश्किल है।

चिराग पासवान केंद्रीय मंत्री है अतः दूसरे गठबंधन में जाने से पहले जरूर ऐ सोचेंगे की उनके पिता अंत में किसकी विचारधारा से प्रभावित थे। अभी जब मोदीजी बिहार चुनाव में भाषण देने आएंगे तो फिर समझें एनडीए की जीत पक्की है क्योंकि बिहार का हर तपके पर उनकी नजर रहती है और भाषण में प्रणाम भी बोलते हैं यानि एक अच्छे नेता की पहचान होती है।

नोबेल शांति पुरस्कार : ट्रंप चूके पर राहुल की टीआरपी बढ़ी!

कुमार समीर/वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला। राष्ट्रपति खुद नोबेल शांति पुरस्कार पाने के सबसे बड़े हकदार अपने को बता रहे थे। पुरस्कार नहीं मिलने से ट्रंप और उनके समर्थकों में निराशा है लेकिन वहीं भारत में इसका असर अलग तरह का दिखने लगा है। भारत -अमेरिका के बीच हाल में 36 के आंकड़े में दिख रहे भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगे बढ़कर जहां इस्राएल-फिलिश्तीन में शांति बहाल करवाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को बधाई दी है वहीं भारत में एक अलग तरह की मांग उठनी शुरू हो गई है। चूंकि इस बार वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है इसलिए भारत के विपक्षी नेता राहुल गांधी को अगला नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए।

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट सुरेंद्र राजपूत ने वेनेजुएला की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता के लोकतंत्र संघर्ष की तुलना राहुल गांधी के 'संविधान बचाओ' अभियान से की है। पार्टी ने कहा कि राहुल गांधी भारत में एनडीए की तानाशाही के खिलाफ समान लड़ाई लड़ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने कहा कि राहुल गांधी भी भारत में ऐसी ही लड़ाई लड़ रहे हैं। एनडीए सरकार लोकतंत्र और संविधान को कमजोर कर रही है। राहुल गांधी ने वोटर लिस्ट में गड़बड़ी, ईवीएम से छेड़छाड़ और पिछड़े लोगों के हक को कम करने की कोशिश जैसे मुद्दे उठाए हैं। बता दें कि नोबेल समिति ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो को लोकतंत्र के लिए उनकी मजबूत मेहनत और तानाशाही से शांतिपूर्वक निकलने की कोशिश के लिए सम्मान दिया।

पिछले साल के विवादित चुनाव के बाद उन्हें धमकियां मिलीं और उन्हें छिपना पड़ा, लेकिन वे आज भी अपने देश में लोकतंत्र के लिए प्रेरणा बनी हुई हैं। वह वेनेजुएला की एक प्रमुख राजनेता हैं। इसके अलावा वो मानवाधिकार वकील हैं। उन्होंने लंबे समय से अपने देश में लोकतंत्र, चुनाव की पारदर्शिता और नागरिक स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया है। कांग्रेस ने अपने राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट सुरेंद्र राजपूत द्वारा उठायी गई मांग पर गौर करना शुरू कर दिया है और इसे किस तरह वैश्विक मंच तक पहुंचाया जाए इसके लिए पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी सौंपने की बात पार्टी के अंदर चलनी शुरू हो गई है। वहीं सत्तासीन भाजपा में इसको लेकर बेचैनी दिखनी शुरू हो गई है।

भाजपा को लगने लगा है कि अगर कांग्रेस अपने उद्देश्य में सफल हो जाती है तो उसकी मिट्टी पलीद हो जाएगी। क्योंकि जिस व्यक्ति को वह पप्पू घोषित करने के लिए सालों से एड़ी-चोटी का जोर लगाए रखा वह अगर कहीं नोबेल शांति पुरस्कार का हकदार हो जाए तो भाजपा के इमेज पर इसका बुरा असर होगा।

विपक्ष के झूठा प्रचार के आरोप को बल मिलेगा। बता दें कि कांग्रेस इस बात का सत्ताधारी भाजपा पर यह आरोप लगाती रही है कि वह विपक्ष के नेता राहुल गांधी के इमेज को खराब करने और जनता के बीच दिखाने के लिए करोड़ों रुपए हर साल खर्च कर रही है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि सत्ता के नशे में चूर भाजपा विपक्ष के नेता का सम्मान तक करना भूल गई है। वह अपनी पार्टी के कनिष्ठ नेताओं मसलन स्मृति इरानी, दुबे आदि से विपक्ष के नेता पर जुबानी हमला करवाती रहती है। जनता इस चाल को भांप चुकी है और देर-सवेर इसका असर साफ साफ दिखाई देनी शुरू हो जाएगी ।

क्या आरएसएस ने भारत की आजादी के लिए कुर्बानियां दीं थीं?

राम पुनियानी

आरएसएस की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जो स्वयं आरएसएस के प्रचारक रह चुके हैं, ने संघ की तारीफों के पुल बांधे। उन्होंने कहा कि आरएसएस ने देश की आजादी के लिए बड़ी-बड़ी कुर्बानियां दीं और चिमूर जैसे कई स्थानों पर ब्रिटिश शासन का विरोध भी किया। उनके अनुसार राष्ट्र निर्माण में संघ का जबरदश्त योगदान है।

सच क्या है? आजादी की लड़ाई संयुक्त भारतीय राष्ट्रवाद, जिसका मुख्य तत्व समावेशिता था, के पक्ष में थी। मुस्लिम साम्प्रदायिक तत्व, मुस्लिम राष्ट्र के लिए संघर्ष कर रहे थे और हिन्दू साम्प्रदायिक तत्व (आरएसएस, हिन्दू महासभा) हिन्दू राष्ट्र के लिए। हालांकि सावरकर आरएसएस में नहीं थे लेकिन वे एक तरह से हिन्दुत्व और हिन्दू राष्ट्र के प्रमुख सिद्धांतकार और सरपरश्त थे।

वे काफी हद तक आरएसएस के मार्गदर्शक थे। माफी मांगने और पहले अंडमान और बाद में रत्नागिरी जेल से रिहा होने के बाद, सावरकर ने कभी आजादी के आंदोलन का समर्थन नहीं किया और उन्हें पेंशन के रूप में एक बड़ी राशि 60 रू। (जो आज के लगभग 4 लाख रू। के बराबर है) हर माह मिलती थी। उन्होंने ब्रिटिश सेना में भारतीयों की भर्ती के लिए अंग्रेजों की मदद भी की।

हालांकि हेडगेवार, जो बाद में आरएसएस के प्रथम सरसंघचालक बने, ने खिलाफत आंदोलन में भाग लिया था और वे एक साल जेल में भी रहे थे। इस आंदोलन में मुस्लिमों के साथ भाग लेने और बाद में केरल के मापोलिया विद्रोह (जो मुख्यतः किसानों का जमींदार विरोधी संघर्ष था) में हिस्सेदारी करने के बाद उनके अन्दर का हिन्दू राष्ट्रवादी जाग उठा और उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी थी।

बाद में अन्य चितपावन ब्राम्हणों के साथ वे आरएसएस के संस्थापकों में से एक बने। संघ की स्थापना की एक वजह यह थी कि उसके संस्थापक ब्राम्हण जमींदारों के खिलाफ गैर-ब्राम्हणों के उस आंदोलन से चिंतित थे जो दलितों के सशक्तिकरण का परिचायक था। दूसरा कारण था गांधीजी का आजादी की लड़ाई से मुस्लिमों सहित समाज के सभी वर्गों को जोड़ने का प्रयास। तीसरा कारण था उनका मुसोलिनी और हिटलर से प्रेरित होना।

संघ का राष्ट्रवाद 'अलग' था यह तब स्पष्ट हुआ जब पंडित नेहरू ने 26 जनवरी 1930 को तिरंगा फहराने का आव्हान किया। हेडगेवार ने भी झंडा फहराने का आव्हान किया, किंतु भगवा झंडा फहराने का।

अभी हाल में संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण होने पर जारी किए गए स्मारक सिक्के पर भारत माता की तस्वीर भगवा झंडे के साथ दिखाई गई है ना कि तिरंगे के साथ। तिरंगे को संविधान में स्वीकार्यता दी गई और सरकार ने इसे 15 अगशत 1947 को फहराने की योजना बनाई।

आरएसएस पर विस्तृत अध्ययन एवं शोध करने वाले एक प्रबुद्ध अध्येता श्मसुल इस्लाम लिखते हैं ''आरएसएस के अंग्रेजी भाषा के मुखपत्र आर्गनाईजर ने अपने 14 अगशत 1947 के अंक में राष्ट्रध्वज के विरूद्ध लिखा कि इसे 'हिंदू कभी स्वीकार नहीं करेंगे और कभी अपना नहीं मानेंगे। तीन की संख्या अपने आप में मनहूस है और तीन रंगों वाले ध्वज का देश पर बहुत बुरा भावनात्मक प्रभाव होगा और यह देश के लिए हानिकारक होगा''।

हेडगेवार नमक सत्याग्रह में शामिल हुए थे क्योंकि उन्हें लगा कि यह जेल में बंद स्वतंत्रता सेनानियों को अपने संगठन की ओर आकर्षित करने का एक अच्छा अवसर है। इसलिए उन्होंने सरसंघचालक के पद से इश्तीफा दिया, जेल गए और जेल से रिहा होने के बाद दुबारा वही पद ग्रहण किया। इस दौरान उन्होंने अन्य लोगों को स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के प्रति हतोत्साहित किया। एक संगठन के रूप में आरएसएस ने किसी भी ब्रिटिश विरोधी आंदोलन में भाग नहीं लिया।

सन 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उनके कई दावों की कलई खुल गई और उनका खोखलापन सामने आ गया। अटल बिहारी वाजपेयी ने दावा किया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई में हिस्सेदारी की थी। ''1998 के आम चुनावों के दौरान उन्होंने मतदाताओं के लिए एक अपील जारी की थी जिसमें उन्होंने कहा था कि वे न केवल शाखा श्तर पर आरएसएस के लिए काम कर रहे थे बल्कि उन्होंने आजादी के आंदोलन में भी भाग लिया था''।

हकीकत यह है कि वे उस दौरान आरएसएस में थे और चूंकि स्कूल-कालेज बंद हो गए थे इसलिए वे अपने पैतृक गांव बटकेश्वर चले गए थे। वहां वे दूर खड़े होकर भारत छोड़ो आंदोलन के सिलसिले में निकाले गए एक जुलूस को देख रहे थे। वे चूंकि वहां मौजूद थे, इसलिए उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने आनन फानन में एक पत्र लिखकर यह स्पष्टीकरण दिया कि वे उस जुलूस में शामिल नहीं थे और कुछ ही दिनों में उन्हें रिहा कर दिया गया।''27 अगशत 1942 को दोपहर लगभग 2 बजे काकू उर्फ लीलाधर और महुना आला पहुंचे और उन्होंने भाषण दिया तथा लोगों को वन कानून तोड़ने के लिए राजी करने का प्रयास किया।

दो सौ लोग वन विभाग के कार्यालय गए और मैं भी अपने भाई के साथ भीड़ के पीछे गया और बटेश्वर के वन विभाग के कार्यालय पहुंचा। मेरे भाई नीचे रूके रहे और बाकी सब लोग ऊपर गए। मैं काकू और महुना, जो वहां मौजूद थे, के अलावा भीड़ में शामिल किसी भी अन्य व्यक्ति का नाम नहीं जानता''।

उस समय गोलवलकर सरसंघचालक थे। ''सन 1942 में कई लोगों के दिलों में तीव्र भावनाएं थीं। तब भी संघ का सामान्य कार्यकलाप जारी रहा। संघ ने स्वयं सीधे कोई कार्यवाही न करने का निश्चय किया। (श्री गुरूजी समग्र दर्शन खंड 4 पृष्ठ 39-40)।

आरएसएस के विचारक स्पष्ट शब्दों में बताते हैं कि अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष कभी उनके एजेंडे का हिस्सा नहीं रहा। ''हमें यह याद रखना चाहिए कि अपनी प्रतिज्ञा में हम धर्म और संस्कृति की रक्षा के माध्यम से देश की आजादी की बात करते हैं, इसमें अंग्रेजों को यहां से भगाने का कोई जिक्र नहीं है। '' गोलवलकर के एक अपेक्षाकृत बड़े उद्धरण से उनका समग्र रवैया स्पष्ट होता है। ''देश में समय-समय पर पैदा होने वाले हालातों को लेकर मन में कुछ व्याकुलता उत्पन्न होती थी। सन 1942 में भी इसी तरह की व्याकुलता थी। इसके पहले 1930-31 में आंदोलन हुआ था।

उस दौरान भी कई लोग डॉक्टरजी (हेडगेवार) के पास गए। इस प्रतिनिधिमंडल ने डॉक्टरजी से अनुरोध किया कि इस आंदोलन के जरिए आजादी हासिल होगी और संघ को भी इसमें भागीदारी करनी चाहिए। उस समय जब एक सज्जन ने डॉक्टरजी से कहा कि वे जेल जाने को तैयार हैं, तब डॉक्टरजी ने उनसे कहा ''जरूर जाईए, पर आपके जेल जाने पर आपके परिवार की देखभाल कौन करेगा''? उन सज्जन ने जवाब दिया ''मैंने न केवल घर के दो साल के खर्चे के लिए पर्याप्त व्यवस्था कर दी है बल्कि आवश्यकतानुसार जुर्माना अदा करने के लिए भी इंतजाम कर दिया है''। तब डॉक्टरजी ने उनसे कहा ''अगर आपने खर्चों के लिए पर्याप्त व्यवस्था कर दी है तो आईए और संघ के लिए दो साल तक कार्य करिए''। घर पहुंचने के बाद वे सज्जन न तो जेल गए और ना ही संघ के काम में जुटे''।

गोलवलकर यह भी बताते हैं कि ''उस समय भी संघ का सामान्य कामकाज जारी रहा। संघ ने सीधे कुछ भी न करने का संकल्प लिया, हालांकि संघ के कार्यकर्ताओं के दिलों में उथलपुथल जारी रही। संघ निष्क्रिय लोगों का संगठन है, वे बेमतलब की बातें करते हैं, न केवल संघ के बाहर के लोग बल्कि हमारे बहुत से कार्यकर्ता भी इस तरह की बातें करते थे।

वे बहुत निराश भी थे। लेकिन संघ का कोई भी ऐसा प्रकाशन या दश्तावेज नहीं है जो भारत छोड़ो आंदोलन के लिए संघ द्वारा परोक्ष रूप से किए गए महान कार्य पर थोड़ी सी भी रोशनी डालता हो''।

मोदी के दावों का सच्चाई से कोई नाता नहीं है। आरएसएस हिन्दू राष्ट्र के लिए कार्य करने वाला संगठन है और उसका आजादी के आंदोलन से कोई लेना-देना नहीं था जिसका लक्ष्य एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक, समावेशी राष्ट्र की स्थापना करना था।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने किया यूपी-पीसीएस परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

रविवार को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित यूपी-पीसीएस2025 की प्रारंभिक परीक्षा के दौरान जनपद में उपरोक्त परीक्षा को निष्पक्ष,नकलविहीन एवं सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा भ्रमणशील रहकर परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण/निरीक्षण किया जा रहा है।

एसपी क्राइम ममता कुरील व एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट द्वारा नगर क्षेत्र के समश्त परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर उक्त परीक्षा को निष्पक्ष, नकलविहीन एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराने हेतु सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया एवं ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा केन्द्रों के आस-पास अनावश्यक लोग एकत्रित न हों, नियमानुसार सभी अभ्यर्थियों की चैकिंग के बाद ही प्रवेश दिया जाये, यदि कोई संदिग्ध प्रतीत होता है तो उसकी तुरन्त जाँच की जाए, परीक्षा केन्द्रों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फीडिंग चैक की गई एवं परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराये जाने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा- निर्देश दिये गये। क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय कमलेश कुमार द्वारा सिटी सर्किल द्वितीय में परीक्षा केन्द्रों पर भ्रमणशील रहकर परीक्षा केन्द्रों पर लगी समश्त ड्यूटी को चेक किया गया । सभी केंद्रों पर लगे सीसीटीवी को चेक करते हुए परीक्षा केंद्र अधीक्षक से वार्ता कर परीक्षा केन्द्रों पर कुशलता की जानकारी ली गई एवं ड्यूटी में लगे समश्त पुलिस कर्मियों को ब्रीफ कर परीक्षा को सकुशल कराये जाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

भैंस चोरी की बढ़ती घटनाओं पर एसएसपी ने खुद लिया संज्ञान

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना अतरौली क्षेत्र के ग्राम बढ़ौली एवं थाना पालीमुकीमपुर के गाँव रुनपान व नगला बिजौली अन्तर्गत भैंस चोरी की घटनाओं में वरिष्ठ पुलिस अधिक्षक द्वारा स्वयं घटनास्थल का निरीक्षण कर पीड़ति परिजनों से वार्ता कर घटनाओं के शीघ्र एवं सफल अनावरण करते हुए न्यायोचित कार्यवाही का आश्वासन दिया गया।

ग्राम बढ़ौली अतरौली निवासी शिकायतकर्ता द्वारा सूचना दी गई कि गाँव के बाहर उसके घेर में भैंस बँधी हुई थी, रविवार प्रातः जब भैसों को चारा डालने गया तो एक भैंस नहीं मिली, अज्ञात चोर उसकी एक भैंस चोरी कर ले गये हैं। इसी प्रकार ग्राम रुनपान एवं ग्राम बिजौली थाना पालीमुकीमपुर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम रुनपान से शिकायतकर्ता की दो भैंस व ग्राम बिजौली से एक भैंस चोरी हो गई है ।

उक्त सभी घटनाओं में एसएसपी द्वारा स्वयं घटनास्थल एवं पशुओं को चोरी कर ले जाने वाले सम्भावित राश्तों/स्थानों का निरीक्षण किया गया । पीड़ति परिजनों से वार्ता कर घटनाओं के शीघ्र एवं सफल अनावरण करते हुए न्यायोचित कार्यवाही का आश्वासन दिया गया । पीड़ितों से प्राप्त तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत किये जा रहे हैं । सम्बन्धित थाना प्रभारियों को टीम गठित कर घटनाओं के शीघ्र अनावरण के सम्बन्ध में निर्देश दिये गये ।

घर से खींचकर मुस्लिमों ने की हिन्दू युवक की चाकुओं से गोदकर हत्या

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना जवां क्षेत्र में युवक को पहले उसके घर से खींचकर बेरहमी से पीटते हुये चाकुओं से गोद कर हत्या कर दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हत्याकांड के मुख्य आरोपी सहित आठ आरोपियों को हिरासत में लिया है। मृतक के परिजन और इलाके के लोगों ने आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही को लेकर थाने पर जमकर हंगामा काटा। सूचना पर मौके पर कई थानों की फोर्स और अधिकारी पहुंच गए,मृतक के परिवार वाले आरोपियों के घर पर बुलडोजर व फांसी की मांग कर रहे हैं।

जवां निवासी 18 वर्षीय करन पुत्र मेघसिंह नोएडा में रहकर किसी ठेकेदार के यहां काम करता था। वह रात में लगभग 10 बजे अपने घर आया। रात में लगभग 11:30 बजे करन को कुछ युवक घर से खींचकर बाहर लाए। करन को युवकों ने जमकर पीटा और चाकुओं से गोदकर मार डाला। जिससे पूरा बाजार बंद हो गया। मौके पर कई थानों की फोर्स और अधिकारी पहुंच गए। पुलिस ने असद पुत्र नफीस खां (मुख्य आरोपी) ,इद्रीश पुत्र अब्दुल सलाम,नफीस खां पुत्र अब्दुल सलाम ,अयान पुत्र शमशाद खां ,अनश पुत्र नफीस खां, अरमान पुत्र इद्रीश,अल्तमश पुत्र नफीस खां,चांद पुत्र शमशाद खां निवासी अहेरिया मौहल्ला थाना जवां को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

युवक की हत्या से क्रोधित परिजन और इलाके के लोगों ने जवां थाने को घेर लिया और जमकर हंगामा करने लगे। परिजनों ने अशद व उसके परिवार के नामज़द लोगों समेत अज्ञात के खिलाफ शिकायत दी है। पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अलीगढ़ भेजा है। जवां कस्बे में अभी तक हंगामा जारी है। परिवार आरोपियों के घर पर बुलडोजर व फांसी की मांग कर रहे हैं।

पुलिस क्षेत्राधिकारी सर्वम सिंह ने बताया कि थाना जवां क्षेत्र में रात्रि सूचना प्राप्त हुई कि अहेरिया मोहल्ला में करन पुत्र मेघ सिंह पर चाकू से प्रहार कर दिया गया है, जिससे उसकी मृत्यु हो गई है। सूचना पर तत्काल स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया। परिजनों की तहरीर के आधार पर आठ नामजदों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया। मुख्य आरोपी अशद सहित सभी आठ आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। घटना के सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

गुलाबी ठंड ने दी दस्तक, छठ के बाद से और बढ़ेगी सर्दी

असर दिखाएगा ला नीना ,इस बार पड़ेगी कड़ाके की ठंड

वाराणसी, एजेंसी। मानसून सीजन के खत्म होने के साथ ही अब सर्दी की शुरुआत हो गई है। वाराणसी और आसपास के जिलों में इस समय गुलाबी ठंड ने दस्तक दे दी है। तापमान में तेजी से उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। इस बीच मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि इस बार ला नीना का असर सर्दी के मौसम पर दिख सकता है। इसके चलते पिछले साल की तुलना में इस बार ठंड अधिक पड़ने की संभावना है।

जुलाई से अक्तूबर तक मानसून सीजन में सामान्यतः 910 मिलीमीटर बारिश होती है लेकिन इस साल इन चार महीनों में करीब 1000 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। यही वजह है कि वायुमंडल में अभी भी नमी बनी हुई है। सामान्यतः नवंबर के पहले सप्ताह से ठंड का असर दिखाई देने लगता है, लेकिन इस साल अक्तूबर के पहले सप्ताह से ही मौसम में बदलाव देखने को मिला है।

मौसमी बदलाव ला नीना का ही प्रभाव

बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. राजीव भाटला के अनुसार, प्रशांत महासागर में हो रहे मौसमी बदलाव ला नीना का ही प्रभाव हैं, जिसके कारण इस बार पहले ही गुलाबी ठंड शुरू हो गई है। पूर्वांचल ही नहीं, पूरे उत्तर भारत में इसका असर अधिक देखने को मिलेगा। लिहाजा, इस बार पिछले वर्षों की तुलना में अधिक ठंड पड़ने के आसार हैं। ला नीना एक मौसमी दशा है, जिसमें प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय क्षेत्र में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से नीचे चला जाता है। इसका सीधा असर वायुमंडलीय परिस्थितियों पर भी पड़ता है, जिससे सर्दी का प्रभाव और बढ़ जाता है।

औसत से एक डिग्री सेल्सियस नीचे आया पारा

दशहरे के बाद से मौसम में तेजी से बदलाव आया है। सितंबर के अंतिम सप्ताह तक जहां तेज धूप थी, वहीं अक्तूबर की शुरुआत से ही धूप का असर कम हो गया है। बादलों की आवाजाही और हवा में नमी बढ़ने लगी है। पिछले दो दिनों से इसी तरह का मौसम बना हुआ है। शनिवार को भी सुबह से ही हवा में नमी रही और दोपहर बाद बादल छा गए। इस बदलाव का असर यह हुआ कि शनिवार को अधिकतम तापमान औसत से 1 डिग्री सेल्सियस कम होकर 32.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

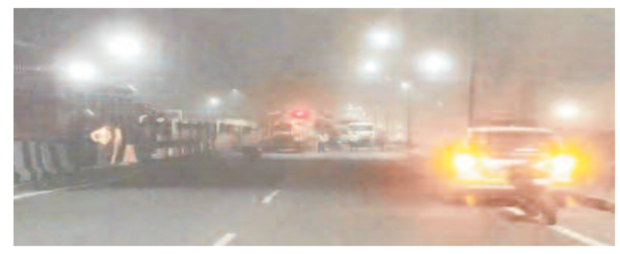

पनकी हाईवे पर भिड़े टैंकर-ट्रक, सड़क पर फैला ज्वलनशील तेल

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में पनकी हाईवे पर ओवरटेक करने के चक्कर में शनिवार देर रात ट्रक से टैंकर भिड़ गया। टैंकर में ज्वलनशील तेल होने से हाईवे पर काफी मात्रा में तेल फैल गया। आनन फानन लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने तेल फोम का छिड़काव कर उसका ज्वलनशील प्रभाव खत्म किया। इस दौरान हाईवे पर लंबा जाम लग गया। एक लेन खोलकर वाहन निकाले गए।

पनकी हाईवे से नौबस्ता की तरफ जा रहे भारत पेट्रोलियम के टैंकर ने शनिवार देर रात जल्दी निकलने के चक्कर में ओवरटेक करते हुए ट्रक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जोरदार भिड़ंत से ज्वलनशील तेल से भरे टैंकर से तेल निकलने लगा। तभी पनकी थाना प्रभारी मनोज भदौरिया पुलिस बल के साथ पहुंचे। तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। कर्मियों ने तत्काल सड़क पर फैले हुए पेट्रोल पर फोम का छिड़काव कर उसके ज्वलनशील प्रभाव को खत्म किया।कर्मियों ने सड़क पर फैले पेट्रोल को साफ किया। इस दौरान हाईवे पर लंबा जाम लग गया। टैंकर ट्रक को किनारे करवाकर एक तरफ से यातायात को चालू किया गया। किसी प्रकार हादसा न हो इसलिए हाईवे के एक तरफ़ के यातायात को रोककर पेट्रोल टैंक सावधानी पूर्वक खाली कराया। थाना प्रभारी मनोज भदौरिया ने बताया कि देर रात टक्कर हो गई थी। टैंकर ज्वलनशील तेल इसलिए सावधानी पूर्वक उसे खाली कराया गया।

मुठभेड़ में मुख्य आरोपी को लगी गोली, गिरफ्तार

रायबरेली , एजेंसी। हरिओम हत्याकांड के मुख्य आरोपी की शुक्रवार दोपहर डलमऊ की गंगा कटरी में पुलिस से मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने 25 हजार के इनामी दीपक अग्रहरि को पकड़ लिया। आरोपी के बाएं पैर में गोली लगी है। उसे सीएचसी डलमऊ ले जाया गया, जहां से जिला अस्पताल भेजा गया। वहां पर मेडिकल के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया।

बीते एक अक्टूबर की रात एक बजे फतेहपुर के पूरे तुराब अली निवासी हरिओम की ईश्वरदासपुर में बेल्ट और लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मुख्य आरोपी दीपक अग्रहरि को पुलिस और एसओजी खोज रही थी। लोकेशन ट्रेस की जा रही थी।

शुक्रवार दोपहर को ऊंचाहार पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने डलमऊ गंगा कटरी में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान ग्राम पूरे बनियन मजरे पचखरा निवासी दीपक अग्रहरि पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा किया तो दीपक ने फायरिंग करनी शुरू कर दी।

जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की, इसमें आरोपी के बाएं पैर में गोली लगी और वह जख्मी हो गया। पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। इलाज के बाद उसे जेल भेज दिया गया। एएसपी संजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि पुलिस मुठभेड़ में हरिओम हत्याकांड का मुख्य आरोपी पकड़ा गया है। मुठभेड़ में पुलिसकर्मी सुरक्षित रहे।

हरिओम हत्याकांड में पुलिस ने अभी तक 12 आरोपियों की गिरफ्तारी की है। पुलिस ने चार अक्तूबर को वैभव सिंह, विपिन कुमार, विजय मौर्य, सुरेश कुमार व सहदेव को गिरफ्तार किया था। सात अक्तूबर की रात को शिव प्रसाद अग्रहरि निवासी मकदूमपुर गदागंज, लल्ली पासी, आशीष पासी निवासी ग्राम पट्टी ऊंचाहार, सुरेश गुप्ता निवासी सरायमुगल राही मिल एरिया को गिरफ्तार किया गया। बुधवार रात को पूरे बनियन मजरे पचखरा में शिवम अग्रहरि और जमुनापुर ईश्वरदासपुर निवासी हेमंत कुमार को गिरफ्तार किया गया। शुक्रवार को मुख्य आरोपी दीपक अग्रहरि को गिरफ्तार कर लिया गया।

नाला खोदाई के समय भरभरा कर गिरा मकान, फंस गए 10 महिलाएं-बच्चे, पोकलैंड छोड़ भागे कर्मी

गोरखपुर, एजेंसी। सरहरी गोरखपुर के बालापार-टिकरिया फोरलेन निर्माण कार्य के दौरान शनिवार शाम बड़ा हादसा बच गया। मंगलपुर के जगदीशपुर टोले में नाला खोदाई के दौरान स्थानीय निवासी रामगोपाल गुप्ता का मकान अचानक भरभरा कर गिर गया।

हादसे के बाद पोकलैंड मशीन चालक और निर्माण कार्य में लगे अन्य कर्मचारी मौके से भाग गए। इस दौरान अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही सरहरी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से घर के अंदर फंसीं 10 महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फोरलेन के तहत सड़क के दोनों ओर नाले का निर्माण कार्य चल रहा है। शनिवार शाम जब मजदूर पोकलैंड मशीन से रामगोपाल गुप्ता के घर के सामने खोदाई कर रहे थे तभी घर की दीवारों में दरारें आने लगीं।

रामगोपाल के बेटे रवि गुप्ता ने मशीन चालकों से खोदाई रोकने को कहा।

उन्होंने कहा कि वह अपने खर्चे पर गड्ढा खोदवा लेंगे लेकिन कर्मचारियों ने काम जारी रखा। कुछ ही देर में मकान का आगे का हिस्सा भरभरा कर गिर पड़ा।

मकान गिरते ही घर के अंदर मौजूद महिलाओं और बच्चों में चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर तीन महिलाओं और आठ बच्चों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ।

हादसे में पड़ोसी अशोक गुप्ता के मकान की दीवार भी क्षतिग्रस्त हो गई है। सूचना मिलने पर संबंधित विभाग के जेई शैलेश सिंह ने मौके का निरीक्षण किया और बताया कि मामले की जांच कर प्रभावित परिवार को उचित मुआवजा प्रदान किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

माफिया अतीक अहमद के बेटे की सुरक्षा में बड़ी चूक, अली अहमद के मीडिया से बात करने पर इंस्पेक्टर निलंबित

प्रयागराज , एजेंसी। माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद को नैनी जेल से झांसी जेल शिफ्ट करने के दौरान हुई सुरक्षा चूक पर बड़ी कार्रवाई हुई है। इस दौरान मीडिया के सामने अली की बयानबाजी को गंभीर लापरवाही मानते हुए सुरक्षा टीम का नेतृत्व कर रहे इंस्पेक्टर अशोक कुमार को सस्पेंड कर दिया गया है। साथ ही सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ने पर विभागीय जांच भी शुरू करा दी गई है।

दरअसल, जेल से ट्रांसफर के दौरान अली अहमद ने मीडिया के सामने रुककर कहा था, मेरा अल्लाह जानता है कि मैं यहां सुरक्षित रहूंगा या नहीं। मुख्यमंत्री जी से गुजारिश है कि मुझे बेवजह न सताया जाए। अली की यह बयानबाजी सुरक्षा व्यवस्था में चूक मानी गई, क्योंकि ट्रांजिट के दौरान किसी भी बंदी को मीडिया से बातचीत की अनुमति नहीं होती। लेकिन अली की जेल शिफ्ट करते समय पुलिसकर्मियों ने न केवल मीडिया को पास आने दिया, बल्कि अली को बोलने का मौका भी दे दिया, जिससे पूरा मामला विवादों में आ गया।

सूत्रों के अनुसार, अब एस्कॉर्ट टीम में शामिल अन्य पुलिसकर्मियों के बयान भी दर्ज किए जाएंगे। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि सुरक्षा व्यवस्था में यह चूक कैसे हुई और मीडिया को मौके पर पहुंचने की जानकारी किसने दी। मामला यहीं नहीं थमा। अली के झांसी जेल पहुंचने के बाद जेल परिसर के अंदर का एक वीडियो भी वायरल हुआ, जिसमें अली की फुटेज मोबाइल कैमरे से रिकॉर्ड की गई बताई जा रही है।

जेल के भीतर मोबाइल ले जाना है प्रतिबंधित

जेल मैनुअल के मुताबिक, जेल के भीतर मोबाइल ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। ऐसे में वीडियो सामने आने से जेल प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठ गए हैं। पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

गौरतलब है कि अली अहमद 38 महीने से नैनी जेल में बंद था। उसने 30 जुलाई 2022 को प्रयागराज कोर्ट में सरेंडर किया था। गिरफ्तारी के बाद यह पहला मौका था जब उसने मीडिया के सामने खुलकर बात की और अब उसी बयान ने पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है।

आश्रम संचालक से फ्लैट के नाम पर एक करोड़ की ठगी...फिर बिल्डर ने किया ऐसा काम, पीड़ित रह गया दंग

आगरा , एजेंसी। आगरा के नालंदा बिल्डर्स एंड डेवलपर्स इंडिया लिमिटेड की योजना में फ्लैट देने के नाम पर मेहंदीपुर बालाजी के एक आश्रम संचालक से एक करोड़ रुपये ठग लिए गए। उन्होंने थाना हरीपर्वत में आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है।

ओल्ड सिद्धार्थ अपार्टमेंट में रहने वाले संतोष कुमार पांडेय ने केस दर्ज कराया है। उनका मेहंदीपुर बालाजी में संकट मोचन आश्रम है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनकी मुलाकात 2012 में शांति निकेतन अपार्टमेंट निवासी राधेश्याम शर्मा से हुई थी। उसने नालंदा बिल्डर्स एंड डेवलपर्स इंडिया लिमिटेड की योजना में फ्लैट बेचने का काम करने की जानकारी दी।

उन्हें कई फ्लैट दिखाए गए। एक पसंद आ गया। आरोपी ने नकदी और बैंक खाते के माध्यम से एक करोड़ रुपये ले लिए। समय पूरा होने पर बैनामा नहीं किया और रकम भी वापस नहीं की। बार-बार तकादा करने पर आरोपी ने 28 मार्च 2023 को स्टांप पेपर पर लिखकर 75 लाख रुपये वापस देने की बात कही।पहले दो माह में 40 लाख रुपये लौटाने के लिए कहा। प्रति सप्ताह 5 लाख रुपये किस्त में देने की बात स्टांप पर लिखी गई। इसके बाद आरोपी ने रकम नहीं लौटाई। ऑनलाइन स्टांप निकाला और फर्जी तरीके से उनके और अपने नाम कई बार में भुगतान दिए जाने की बात लिखकर फर्जी हस्ताक्षर कर दिए।

पीड़ित का कहना है कि उन्होंने कोई स्टांप खरीदा ही नहीं और न ही कोई हस्ताक्षर किए हैं। डीसीपी सिटी सोनम कुमार का कहना है कि केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस जांच में लगी है।

घर से आठ लाख का सामान किया पार

नसीराबाद , एजेंसी। कस्बे के लाला बाजार मोहल्ले में बीती बृहस्पतिवार रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाया। कमरे का ताला तोड़कर चोर तीन लाख रुपये नकद और पांच लाख के जेवर चोरी कर ले गए। मामले की जानकारी पर पुलिस ने जांच की।

लाला बाजार मोहल्ला निवासी पप्पू मौर्य ने बताया कि बृहस्पतिवार रात लगभग साढ़े दस बजे वह परिवार के साथ खाना खाकर सो गए थे। रात में चोरों ने कमरे का ताला तोड़ा और उसके बाद अलमारी और बक्सों में रखी नकदी और जेवर पार कर दिए।

इस दौरान परिवार के लोग सोते रहे। शुक्रवार भोर करीब तीन बजे पप्पू मौर्या की नींद खुली तो कमरे का ताला टूटा मिला। अलमारी तथा बक्सों में रखे सोने-चांदी के जेवर और नकदी गायब थी। पीड़ित ने बताया कि उनकी नानी बुधना को जमीन का मुआवजा मिला था, जिसमें दो लाख 74 हजार रुपये बैंक से निकालकर अलमारी में रखे थे।

बाकी रकम और जेवर बक्सों में रखे थे। चोर तीन लाख की नकदी और पांच लाख के जेवर ले गए हैं। मामले की सूचना पुलिस को दी गई, इस पर थानाध्यक्ष पवन कुमार सोनकर ने पुलिस टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। थानाध्यक्ष पवन कुमार सोनकर ने बताया कि मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, फिर भी हर पहलू पर जांच की जा रही है।पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है।

सीपी की सख्ती बेअसर, अवैध पटाखा निर्माण जारी, अब सचेंडी विस्फोट में अधेड़ झुलसा, 100 किलो पटाखे जब्त

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल की सख्ती के बावजूद सचेंडी क्षेत्र में पटाखा बनना जारी रहा। इसका नतीजा शुक्रवार शाम को विस्फोट के रूप में सामने आया, जिसमें 50 वर्षीय अधेड़ गंभीर रूप से झुलस गया। उसका उर्सला अस्पताल में इलाज चल रहा है। मूलगंज के बिसातखाना में खिलौना दुकान के बाहर विस्फोट हुआ था, जिसमें आठ लोग झुलस गए थे। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने घटनास्थल पर पहुंचकर कार्रवाई का निर्देश दिया था।

उन्होंने थाना प्रभारियों को क्षेत्र में अवैध तरीके से पटाखों की बिक्री और उससे जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कहा था। उनके निर्देश पर अगले ही दिन फजलगंज, यशोदानगर, नजीराबाद, गोविंदनगर, मूलगंज, कोतवाली समेत अन्य क्षेत्रों में पटाखे की दुकानें और गोदाम में छापेमारी हुई। अब तक डेढ़ क्विंटल के आसपास पटाखे जब्त किए जा चुके हैं। सख्ती के बावजूद सचेंडी में चोरी छिपे पटाखा बनाने का खेल जारी रहा। घटनास्थल पर बारूद, सुतली बम, मौरंग व गिट्टी और अन्य सामग्री मिली है।

कोतवाली और मूलगंज में मिले पटाखे: पुलिस ने शनिवार को कोतवाली क्षेत्र से 40 और मूलगंज क्षेत्र से 60 किलो पटाखे बरामद किए हैं। कोतवाली इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद पांडेय ने बताया कि मेस्टन रोड स्थित बीच वाले मंदिर के नजदीक हरबंश मोहाल निवासी अटैची कारोबारी राहुल के यहां पटाखे रखे हुए थे। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। मूलगंज में दो गोदाम से पटाखे मिले हैं। उनके मालिकों के बारे में मूलगंज पुलिस जांच कर रही है।

ये था पूरा मामला : सचेंडी क्षेत्र में शुक्रवार शाम बम बनाते समय विस्फोट हो गया, जिसमें बिरारा गांव के 50 वर्षीय शकील गंभीर रूप से झुलस गए। उनके हाथों के पंजे भी क्षतिग्रस्त हो गए। उन्हें पहले कल्याणपुर के नर्सिंगहोम जहां से हालत गंभीर होने पर उर्सला में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उनके 80 प्रतिशत झुलसे होने से हालत नाजुक बताई है। घटनास्थल पर चार अन्य लोगों के होने की बात सामने आ रही है।

विस्फोट में अधेड़ के पंजे उड़े : बम बनाने की सामग्री, सुतली बम के टुकड़े, जला हुआ प्लास्टिक, मौरंग, गिट्टी और बारूद का मिश्रण मिला है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सचेंडी स्थित कब्रिस्तान के पास सुनसान खेत में शुक्रवार शाम लगभग पांच बजे तेज धमाका हुआ, जिसकी आवाज करीब एक किलोमीटर तक सुनाई दी। क्षेत्रवासी जैसे ही वहां पहुंचे तो उन्हें दो लोग झुलसे हुए तड़पते मिले, जबकि तीन अन्य भीड़ देखकर भाग निकले।

इंडिया-वेस्टइंडीज टेस्टः

कुलदीप यादव ने पांचवीं बार खोला पंजा

बने दुनिया के नंबर 1 गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने दिल्ली में दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन रविवार (12 अक्टूबर) को वेस्टइंडीज को पहली पारी में 248 रन पर आउट कर दिया। भारत के लिए बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 5 विकेट झटके। कुलदीप ने पांचवीं बार टेस्ट मैच की एक पारी में 5 विकेट लिए। इसके साथ ही उन्होंने बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर के तौर पर टेस्ट में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट लेने के रिकॉर्ड बराबरी कर ली। उनके अलावा इंग्लैंड के जॉनी वार्डले ने 5 बार ऐसा किया है। कुलदीप यादव का रिकॉर्ड जॉनी वार्डले से काफी बेहतर है। उन्होंने इंग्लैंड के स्पिनर के मुकाबले आधे टेस्ट में यह कारनामा कर दिया। वार्डले ने 28 टेस्ट में 5 बार पंजा खोला। वहीं कुलदीप ने केवल 15 टेस्ट में ऐसा कर दिया। साउथ अफ्रीका के पॉल एडम्स तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 45 टेस्ट में 4 बार पारी में 5 विकेट झटके।

कुलदीप यादव ने वेस्टइंडीज के इन बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा

वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली में कुलदीप ने 26.5 ओवर में 82 रन देकर 5 विकेट झटके। कुलदीप ने पहला विकेट दूसरे दिन शनिवार (11 अक्टूबर) को लिया था। उन्होंने अलिक अथानाज को रविंद्र जडेजा के हाथों कैच कराया। उन्होंने 41 रन बनाए। कुलदीप ने तीसरे दिन पहले सत्र में साई होप 36 और टेविन इमलाच 21 को पवेलियन भेजा।

कुलदीप यादव का टेस्ट करियर

इसके बाद कुलदीप ने जस्टिन ग्रीव्स को पवेलियन भेजा। उन्होंने 17 रन बनाए। उन्होंने पांचवां विकेट जायडन सील्स के तौर पर लिया। उन्होंने 13 रन बनाए। कुलदीप यादव ने टेस्ट में 15 मैच की 27 पारियों में 21.09 के औसत और 3.52 की इकॉनमी से 65 विकेट लिए हैं। 40 रन देकर 5 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में रोमन रेंस बन गए क्रिकेटर, कोहली के स्टाइल में लगाया शॉट डब्ल्यूडब्ल्यूई

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट में फैन्स को दिलचस्प नजारा देखने को मिला है. सुपरस्टार रोमन रेंस ने विपक्षी रेसलर के खिलाफ क्रिकेट बैट का प्रयोग किया. रेंस ने ब्रॉनसन रीड पर बल्ले से जोरदार प्रहार करते हुए उन्हें रिंग से बाहर फेंक दिया. यह वाकया पर्थ में आयोजित डब्ल्यूडब्ल्यूई क्राउन ज्वेल चैम्पियनशिप 2025 में हुआ. रोमन रेंस के इस मूव को देखकर दर्शक हैरान रह गए. इस मूव ने कुछ फैन्स को विराट कोहली की याद दिला दी है. रेंस ने विराट कोहली की तरह ऐसे बल्ला चलाया, मानो वो गेंद पर कड़ा प्रहार करने जा रहे हों. रोमन रेंस का एग्रेसन और परफॉर्मेंस स्टाइल कोहली की तरह दिखा. कोहली मैदान पर अपने एग्रेसन और फाइटिंग स्पिरिट के लिए जाने जाते हैं. कुछ हफ्ते पहले ऑस्ट्रेलियाई स्ट्रीट फाइट में रोमन रेंस को रीड से हार का सामना करना पड़ा था. रीड ने अपने देश में खेले गए उस मैच में ब्रॉन ब्रेकर के साथ मिलकर रोमन रेंस पर लगातार हमला किया था. मैच में द शील्ड के क्लासिक पावरबॉम्ब मूव की झलक देखने को मिली, जब रेंस एनाउंस टेबल से टकराकर गिर गए थे. उस मैच के दौरान जे उसो अपने चचेरे भाई रोमन रेंस की मदद के लिए आए, लेकिन उनका स्पीयर गलती से रेंस को ही लग गया. इस मौके का फायदा उठाते हुए ब्रॉनसन रीड ने अपना फिनिशिंग मूव लगाया और रेंस को पिन करके हरा दिया था. यह जीत रीड के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रही.

अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को दूसरा वनडे 81 रन से हराया

● सीरीज अपने नाम की, इब्राहिम जादरान ने 95 रन बनाए

राशिद ने लिए 5 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार को अबू धाबी में खेले गए दूसरे मुकाबले में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। टीम ने 44.5 ओवर में 190 रन बनाए। जबाव में बांग्लादेश की टीम 28.3 ओवर में 109 रन पर ऑलआउट हो गई। अफगानिस्तान के ओपनर इब्राहिम जादरान ने 95 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला 14 अक्टूबर को अबू धाबी मे ही खेला जाएगा। इब्राहिम जादरान का अर्धशतक पहले बैटिंग करने उतरी अफगानिस्तान की टीम की शुरुआत थोड़ी धीमी रही, लेकिन ओपनर इब्राहिम जादरान ने टीम की कमान संभाली।

उन्होंने 140 गेंदों में 95 रन की शानदार पारी खेली। उनके अलावा मोहम्मद नबी और एएम गजनफर ने 22-22 रन का योगदान दिया। हालांकि बाकी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके और पूरी टीम 44.5 ओवरों में 190 रन पर ऑलआउट हो गई। मेहदी हसन मिराज को 3 विकेट बांग्लादेश की तरफ से मेहदी हसन मिराज टॉप विकेट टेकर रहे। उन्होंने 10 ओवर में 42 रन देकर तीन विकेट झटके। उनके अलावा रिशाद हुसैन और तंजीम हसन साकिब ने 2-2 विकेट झटके लिए। तनवीर इस्लाम को एक विकेट मिला। बांग्लादेश की बैटिंग फ्लॉप टारगेट का पीछा करते उतरी बांग्लादेश की टीम 28.3 ओवर में 109 रन पर सिमट गई। टीम के लिए तौहीद हृदॉय (24) और सैफ हसन (22) ने थोड़ी कोशिश की, लेकिन बाकी बल्लेबाज ज्यादा संभल नहीं सके।

टीम का कोई भी खिलाड़ी 25 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। राशिद खान ने 5 विकेट झटके अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने बांग्लादेशी बल्लेबाजों को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया। राशिद ने 8.3 ओवरों में केवल 17 रन खर्च कर 5 विकेट झटके। उनके साथ अजमतुल्लाह उमरजई ने 3 विकेट लिए। नांगेयालिया खारोटे को एक सफलता मिली।

● 2027 वर्ल्ड कप जीतना मेरा सपना है...

वनडे टीम से बाहर होने पर रवींद्र जडेजा ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली, एजेंसी। 19 अक्टूबर से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय क्रिकेट टीम को तीन ओडीआई और पांच टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेलने हैं. इस दौरे पर भारत की वनडे टीम बदली-बदली नजर आएगी. शुभमन गिल को रोहित शर्मा की जगह वनडे टीम का नया कप्तान बनाया गया है. चयनकर्ताओं ने बड़ा फैसला लेते हुए बाएं हाथ के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को भी वनडे स्क्वॉड से बाहर कर दिया, जो आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम का हिस्सा थे. रोहित शर्मा और विराट कोहली को वनडे टीम में जगह दी गई है, लेकिन रवींद्र जडेजा जैसे अनुभवी ऑलराउंडर का नाम न होना चौंकाने वाला है. जडेजा फरवरी 2009 से भारत के लिए वनडे क्रिकेट खेलते आ रहे हैं और उन्हें मौजूदा दौर के बेहतरीन ऑलराउंडर्स में गिना जाता है. वनडे टीम से बाहर होने पर रवींद्र जडेजा ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है. जडेजा ने साफ कहा कि 2027 वर्ल्ड कप में खेलना उनका लक्ष्य है और वे आगे भी कड़ी मेहनत करते रहेंगे. रवींद्र जडेजा ने कहा प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं जरूर खेलना चाहता हूं. हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वो वर्ल्ड कप जीते. 2023 में हम बहुत करीब थे, लेकिन खिताब जीतने से रह गए. टीम मैनेजमेंट ने मुझे पहले ही बता दिया था कि इस सीरीज़ के लिए मुझे नहीं चुना जा रहा है. कप्तान शुभमन गिल, कोच और चयनकर्ताओं ने मुझसे बात की और वजह समझाई. यह बात मुझे स्क्वॉड अनाउंसमेंट से पहले ही पता चल गई थी. रवींद्र जडेजा ने आगे कहा, जब भी मौका मिलेगा, मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा. अभी काफी सारे वनडे मैच बाकी हैं. उम्मीद है कि मुझे मौका मिलेगा और मैं अपने खेल से टीम के लिए योगदान दे सकूंगा, जैसे अब तक देता आया हूं. जडेजा वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. अहमदाबाद टेस्ट में जडेजा ने शतकीय पारी खेली थी और वो प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे.

टाइगर वुड्स ने गतिशीलता में कमी के बाद डिस्क रिप्लेसमेंट सर्जरी करवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 बार के मेजर चैंपियन टाइगर वुड्स ने बताया है कि दर्द और गतिशीलता में कमी के बाद उन्होंने लम्बर डिस्क रिप्लेसमेंट सर्जरी करवाई है। यह सर्जरी न्यूयॉर्क के हॉस्पिटल फॉर स्पेशल सर्जरी के डॉ. शीराज कुरैशी और उनकी टीम द्वारा की गई और सफल रही।

वुड्स ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक बयान में कहा, पीठ में दर्द और गतिशीलता में कमी के बाद मैंने डॉक्टरों और सर्जनों से जांच करवाने के लिए सलाह ली। स्कैन से पता चला कि मेरी Ly/5 डिस्क में कोलैप्स हो गया है, डिस्क के टुकड़े हो गए हैं और स्पाइनल कैनाल क्षतिग्रस्त हो गई है। मैंने कल अपनी डिस्क रिप्लेसमेंट करवाने का फैसला किया और मुझे पहले से ही पता है कि मैंने अपने स्वास्थ्य और पीठ के लिए एक सही फैसला लिया है। वुड्स के लिए एक साल से भी कम समय में यह दूसरी पीठ की सर्जरी है जिन्होंने सितंबर 2024 में अपनी पीठ के निचले हिस्से में तंत्रिका दबाव को कम करने के लिए अपनी लम्बर स्पाइन पर माइक्रोडिकंप्रेशन सर्जरी करवाई थी। वह प्रक्रिया भी कुरैशी ने ही की थी, लेकिन फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच स्थित उनके शल्य चिकित्सा केंद्र पर। मार्च में इस अमेरिकी दिग्गज खिलाड़ी के बाएं अकिलीज टेंडन में चोट लग गई थी और उसकी मरम्मत के लिए सफल सर्जरी हुई थी। वेस्ट पाम बीच फ्लोरिडा स्थित हॉस्पिटल फॉर स्पेशल सर्जरी के डॉ. चार्लटन स्टकेन ने टूटे हुए टेंडन की न्यूनतम इनवेसिव अकिलीज टेंडन मरम्मत की। दिसंबर में 50 वर्ष के होने वाले वुड्स ने 2023 में रॉयल ट्रून में आयोजित द ओपन चैंपियनशिप के बाद से PGA टूर में शुरुआत नहीं की है। उन्होंने अपने बेटे चार्ली के साथ PGA टूर चैंपियंस की 2024 पीएनसी चैंपियनशिप (एक कार्ट में) खेली थी।

2025 की शुरुआत में उन्होंने द जेनेसिस इनविटेशनल में खेलने की योजना बनाई थी जिसकी मेजबानी वह फरवरी में करते हैं, लेकिन एक हफ्ते पहले अपनी मां के निधन के कारण उन्होंने इसमें भाग नहीं लेने का फैसला किया। हाल ही में घोषित वर्ल्ड चैलेंज के लिए उनका नाम सूची में नहीं था। यह टूर्नामेंट वह 4 से 7 दिसंबर तक बहामास के अल्बानी में आयोजित करते हैं।

दिल्ली हाफ मैराथन का यह 20वां सत्र, मटाटा और रेंगरुक बने चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी। कीनिया के लंबी दूरी के धावक एलेक्स मटाटा और लिलियन कासैट रेंगरुक ने रविवार को वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग की एलीट दौड़ जीतीं। पिछले साल यहां दूसरे स्थान पर रहे मटाटा ने रविवार को 59 मिनट 50 सेकंड का समय निकालकर बोयेलिन टेशागर (एक घंटा 22 सेकंड) और जेम्स किपकोगी (एक घंटा 25 सेकंड) को पछाड़ा।

रेंगरुक ने एक घंटे सात मिनट 20 सेकंड का समय निकालकर महिला वर्ग का खिताब जीता। इथियोपिया की जोड़ी मेलाल सियूम बिरातु (एक घंटा सात मिनट 21 सेकंड) और मुलत टेकले (एक घंटा सात मिनट 29 सेकंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। अभिषेक पाल और सीमा भारतीय पुरुष और महिला वर्ग में सबसे तेज धावक रहे। उन्होंने क्रमशः एक घंटे चार मिनट 17 सेकंड और एक घंटे 11 मिनट 23 सेकंड का समय लिया।

दिल्ली हाफ मैराथन का यह 20वां सत्र है, जिसे यहां के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से हरी झंडी दिखाई गई थी। इसकी कुल पुरस्कार राशि 260,000 डॉलर है।

विश्व शतरंज कपः

गोवा में होगा 17 करोड़ रुपए की इनामी राशि का अंतरराष्ट्रीय महायुद्ध

गोवा, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय शतरंज फेडरेशन ने वर्ल्ड शतरंज कप 2025 के पहले राउंड के मुकाबलों की सूची जारी कर दी हैं। 17 करोड़ रुपए की इनामी राशि की यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता इतिहास में पहली बार 30 अक्टूबर से 27 नवंबर 2025 तक भारत के गोवा में आयोजित की जाएगी।

पेरिस इंटरनेशनल ओलम्पिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि संसार के 70 से अधिक देशों से कुल 206 खिलाड़ी इसमें हिस्सा लेंगे, 50 शीर्ष वरीय खिलाड़ी सीधे दूसरे राउंड से शुरुआत करेंगे। बाकी 156 खिलाड़ी पहले राउंड में अपने स्थान के लिए संघर्ष करेंगे। भारत के अधिकतर शीर्ष खिला?ी दूसरे राउंड से मुकाबला खेलेंगे। भारतीय ओलम्पिक संघ आईओए से मान्यता प्राप्त महाभारत के भीष्म पितामह शक्तिमान मुकेश खन्ना के नेतृत्व वाली भारत सरकार से एकमात्र आयकर छुट प्राप्त हरियाणा शतरंज एसोसिएशन एचसीए के प्रदेश महासचिव ब्रहमचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि यह इंटरनेशनल टूर्नामेंट न केवल 20 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 17 करोड़ रुपये) की इनामी राशि के लिए खेला जाएगा, बल्कि इसके शीर्ष तीन विजेताओं को 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए सीधी जगह भी मिलेगी। मेजबान देश के तौर पर भारत को दो अतिरिक्त स्थान मिले हैं, जिन्हें प्रणव वेंकटेश और रौनक साधवानी को दिया गया है। दोनों की मौजूदा रेटिंग 2641 है। प्रणव 2025 विश्व जूनियर चैंपियन है जबकि रौनक भारत के सबसे युवा ग्रांडमास्टर्स में से

एक है, जिन्होंने 2024 लंदन चेस मास्टर्स जीता था। इन दोनों खिलाड़ियों के जुड़ने से भारतीय चुनौती और भी मजबूत हो गई है। विश्व चैम्पियन डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानानंधा, अरुण एरिगैसी, विदित गुजराती, पेंटाला हरिकृष्णा, निहाल सरीन और कई अन्य भारतीय शीर्ष खिलाड़ी पहले ही सूची में हैं।

महिला विश्व कप विजेता ग्रांडमास्टर दिव्या देशमुख को भी फीडे ने एक विशेष वाइल्डकार्ड के रूप में शामिल किया है। भारत में ऐतिहासिक आयोजनः पेरिस इंटरनेशनल ओलम्पिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि ऐसा इतिहास में पहली बार होगा जब विश्व कप प्रतियोगिता भारत की धरती पर खेली जाएगी। भारत के अधिकतर शीर्ष खिलाड़ी दूसरे राउंड से मुकाबला खेलेंगे जबकि पहले राउंड में राजा ऋत्विक कजाकिस्तान के नोगेरबेक कायबेक से, हर्षवर्धन जीबी तुर्की के यिलमाज मुस्तफा से, एसएल नारायनन पेरु के रोजस सालस स्टीवन से, प्रणव वी अल्जीरिया के आला एडिने से, इनियन पी क्यूबा के डाइलन ईसीडरों से, ललित बाबू नीदरलैंड के मैक्स वरमरदम से, दीप्तयन घोष चीन के पेंग क्षिओंगीयन से, कार्तिक वेंकटरामन कोलंबिया के रोबेर्टो पांतोजा से, रौनक साधवानी साउथ अफ्रीका के बररिश डेनियल से, नीलाश सहा उरुग्वे के मेरर जॉर्ज से, सूर्या शेखर गांगुली अजरबैजान के अहमद अहमदजादा से खेलेंगे और दिव्या देशमुख ग्रीस के अर्डितीस स्तमटिस से मुकाबला खेलेंगी।